हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

व्याख्यान सूची

परास्नातक पाठ्यक्रम

सत्र 2023–24

(अद्यतन)

24 मई 2023 की पाठ्यक्रम समिति से संस्तुत

अध्यक्ष

हिंदी विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

प्रयागराज

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

एम0ए0 (सी0बी0सी0एस0)

सत्र 2023—24

एम.ए. प्रथम सत्र (हिन्दी)

क्रसं..	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	प्रथम	04	प्राचीन काव्य एवं निर्गुण भक्तिकाव्य (PRACHIN KAVYA EVAM NIRGUN BHAKTIKAVYA)	HIN-511
2	द्वितीय	04	हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाएँ (HINDI GADYA KI VIBHINN VIDHAYEN)	HIN-512
3	तृतीय	04	भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना (BHARTIYA KAVYASHASTRA EVAM HINDI ALOCHANA)	HIN-513
4	चतुर्थ	04	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक) [HINDI SAHITYA KA ITIHAS (ARAMBH SE RITIKAL TAK)]	HIN-514
5	पंचम	04	भारतीय साहित्य (BHARTIYA SAHITYA)	HIN-515

एम.ए. द्वितीय सत्र (हिन्दी)

क्रसं..	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	छठा	04	सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य (SAGUN BHAKTIKAVYA EVAM RITIKAVYA)	HIN-516
2	सातवाँ	04	नाटक, रंगमंच एवं अन्य गद्य विधाएँ (NATAK, RANGMANCH EVAM ANYA GADYA VIDHAYEN)	HIN-517
3	आठवाँ	04	पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत (PASHCHATYA SAMIKSHA SIDDHANT)	HIN-518
4	नौवाँ	04	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) [HINDI SAHITYA KA ITIHAS (ADHUNIK KAL)]	HIN-519
5	दसवाँ	04	लोक साहित्य (LOK SAHITYA)	HIN-520

एम.ए. तृतीय सत्र (हिन्दी)

क्रसं..	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	11वाँ	04	आधुनिक काव्य (20वीं शताब्दी के आरंभ से छायावाद तक) ADHUNIK KAVYA (20VEEN SHATABDI KE ARAMBH SE CHHAYAVAD TAK)	HIN-521
2	12वाँ (वैकल्पिक)	04	कबीर (KABIR)	HIN-551
		04	जायसी (JAYASI)	HIN-552
		04	सूरदास (SURDAS)	HIN-553
		04	तुलसीदास (TULSIDAS)	HIN-554
		04	प्रसाद (PRASAD)	HIN-556
		04	निराला (NIRALA)	HIN-557
		04	अज्ञेय (AGYEY)	HIN-558
		04	मुक्तिबोध (MUKTIBODH)	HIN-559
		04	भारतेन्दु हरिश्चंद्र (BHARTENDU HARISHCHANDRA)	HIN-560
		04	प्रेमचंद (PREMCHAND)	HIN-561
		04	रामचंद्र शुक्ल (RAMCHANDRA SHUKLA)	HIN-562
		04	रैदास (RAIDAS)	HIN-588
		04	महादेवी वर्मा (MAHADEVI VERMA)	HIN-589
		04	फणीश्वरनाथ रेणु (PHANISHWARNATH RENU)	HIN-590
3	13वाँ (वैकल्पिक)	04	हिन्दी पत्रकारिता (HINDI PATRAKARITA)	HIN-563
		04	प्रयोजनमूलक हिन्दी (PRAYOJANMULAK HINDI)	HIN-564
		04	भारतीय प्रवासी एवं विस्थापित समाज (डायस्पोरा) का साहित्य [BHARTIYA PRAVASI EVAM VISTHAPIT SAMAJ (DIASPORA) KA SAHITYA]	HIN-565
4	14वाँ	04	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा (इतिहास एवं सिद्धांत) [BHASHA VIGYAN AUR HINDI BHASHA (ITIHAS EVAM SIDDHANT)]	HIN-522
5	15वाँ	04	निबंध : साहित्यिक एवं साहित्येत्तर (NIBANDH : SAHITYIK EVAM SAHITYETAR)	HIN-523

एम.ए. चतुर्थ सत्र (हिन्दी)

क्रसं..	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	16वाँ	04	छायावादोत्तर काव्य (प्रगतिवाद से समकालीन तक) CHHAYAVADOTTAR KAVYA (PRAGATIVAD SE SAMKALIN TAK)	HIN-524
2	17वाँ (वैकल्पिक)			
		04	भक्तिकाव्य (BHAKTI KAVYA)	HIN-572
		04	छायावाद**युगीन साहित्य** (CHHAYAVADYUGEEN SAHITYA)	HIN-574
		04	समकालीन हिन्दी साहित्य (SAMKALIN HINDI SAHITYA)	HIN-575
		04	स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य (STRI VIMARSH AUR HINDI SAHITYA)	HIN-576
		04	दलित विमर्श और हिन्दी साहित्य (DALIT VIMARSH AUR HINDI SAHITYA)	HIN-577
		04	आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य (ADIVASI VIMARSH AUR HINDI SAHITYA)	HIN-578
3	18वाँ (वैकल्पिक)	04	हिन्दी आलोचना (HINDI ALOCHANA)	HIN-579
		04	साहित्य का समाजशास्त्र (SAHITYA KA SAMAJSHASTRA)	HIN-580
		04	विचारधारा और साहित्य (VICHARDHARA AUR SAHITYA)	HIN-581
4	19वाँ (वैकल्पिक)	04	हिन्दी और उर्दू साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन (HINDI AUR URDU SAHITYA KA TULNATMAK ADHYAYAN)	HIN-582
		04	हिन्दी और बंगला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन (HINDI AUR BANGALA SAHITYA KA TULNATMAK ADHYAYAN)	HIN-583
		04	हिन्दी और तेलुगु साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन (HINDI AUR TELUGU SAHITYA KA TULNATMAK ADHYAYAN)	HIN-584
		04	हिन्दी और मराठी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन (HINDI AUR MARATHI SAHITYA KA TULNATMAK ADHYAYAN)	HIN-585
5	20वाँ (वैकल्पिक)	04	अनुवाद : सिद्धांत और प्रक्रिया (ANUVAD : SIDDHANT AUR PRAKRIYA)	HIN-586
		04	सृजनात्मक लेखन (SRIJANATMAK LEKHAN)	HIN-587

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

प्राचीन काव्य एवं निर्गुण भक्तिकाव्य

(नरपति नाल्ह, चन्दबरदाई, विद्यापति, कबीर, रैदास एवं जायसी : अध्ययन और अलोचना)

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 511**

इकाई : 1

- आदिकालीन साहित्य का परिचय
- रासो काव्य परंपरा प्रवृतियाँ एवं प्रमुख रचनाएं
- नरपति नाल्ह और बीसलदेव रास : व्याख्या और आलोचना

  व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ : पद
  1, 3, 5, 10, 27, 28, 29, 33, 35, 36, 39, 45, 49, 50, 61, 65, 67, 68, 69, 71, 73, 76, 77, 79, 81 (कुल 25 पद)

  बीसलदेव रासो : सम्पादक– माताप्रसाद गुप्त

- चन्दबरदाई और पृथ्वीराज रासो, व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ : **कयमास वध : सम्पादक– हजारीप्रसाद द्विवेदी**

इकाई : 2

- विद्यापति : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

  व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ : पद
  1, 2, 7, 9, 11, 13, 17, 19, 20, 21, 23, 29, 32, 33, 41, 46, 47, 48, 49, 75 (कुल 20 पद)

  निर्धारित पुस्तक : विद्यापति संचयन– सम्पादक डॉ0 लालसा यादव

इकाई : 3

- भक्ति साहित्य की विविध धाराएँ : संक्षिप्त परिचय एवं महत्त्वपूर्ण कवि
- हिन्दी की संत काव्य परम्परा और कबीर का साहित्य
  व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक : **कबीर वाणी सुधा : सम्पादक डॉ0 पारसनाथ तिवारी**
  पद संख्या– 1, 3, 4, 7, 8, 9, 12, 18, 23, 33, 34, 38, 41, 44, 47, 49, 50, 53, 59, 64 (कुल 20 पद)
  साखी– परचा को अंग

इकाई : 4

- रैदास : व्याख्या एवं आलोचना

  व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक : **रैदास की वाणी, सम्पादक योगेन्द्र सिंह**

  पद संख्या 6, 7, 9, 12, 13, 14, 16, 22, 23, 27, 28, 35, 37, 38, 39

  (कुल 15 पद)

इकाई : 5

- हिन्दी का प्रेमाख्यानक काव्य परम्परा और जायसी

  जायसी का काव्य : व्याख्या एवं आलोचना

  जायसी ग्रंथावली : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (संदेश खण्ड)

संदर्भ पुस्तकें :

रासो काव्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त

बीसलदेव रास : संपा0 माता प्रसाद गुप्त

बीसलदेव रास : एक गवेषणा : सीताराम शास्त्री

विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह

विद्यापति संचयन : डॉ0 लालसा यादव

विद्यापति : आनन्द प्रकाश दीक्षित

विद्यापति का काव्य सौन्दर्य : डॉ0 लालसा यादव

विद्यापति : संपा0 अजय तिवारी ,सूर्यनारायण

कबीर मीमांसा : रामचन्द्र तिवारी

कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी

अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय : पुरुषोत्तम अग्रवाल

कबीर : साखी और शबद : वासुदेव सिंह

रैदास : संपा0 योगेन्द्र प्रताप सिंह

संत रैदास : संपा0 कँवल भारती

जायसी : विजयदेव नारायण साही

जायसी ग्रन्थावली : रामचन्द्र शुक्ल

जायसी : एक नई दृष्टि : रघुवंश

पृथ्वीराज रासो : नामवर सिंह

भक्ति के तीन स्वर : जॉन स्ट्राटन हॉली

भक्ति आन्दोलन : पुनर्पाठ : शम्भुनाथ

भक्ति आन्दोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह

विद्यापति : पुनर्पाठ : सूर्यनारायण

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र
हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाएँ

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 512**

इकाई : 1

- हिन्दी निबन्ध :स्वरूप एवं विकास
- निबन्ध के प्रकार एवं शैलियाँ
- हिन्दी कहानी : स्वरूप एवं विकास
- कहानी के तत्व, कला एवं अंतर्वस्तु

इकाई : 2

- बालकृष्ण भट्ट के निबंधों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पाठः (क)साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है (ख)सच्ची समालोचना
- कहानी : सद्गति (प्रेमचंद), परदा (यशपाल)

इकाई : 3

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पाठ : (क) मनोविकारों का विकास (ख) कविता क्या है ?
- कहानियों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पाठ : बदबू (शेखर जोशी), डिप्टी कलेक्टरी (अमरकांत)

इकाई : 4

- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  (क) प्रायश्चित की घड़ी (ख) मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है
- हरिशंकर परसाई के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या
  (क) निन्दा रस
- कहानियों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पाठ : तिरिछ (उदय प्रकाश), सलाम (ओमप्रकाश वाल्मीकि),
  वापसी (उषा प्रियंवदा)

इकाई : 5

उपन्यास

- हिन्दी उपन्यास : विकास परम्परा
- उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या–

  निर्धारित पाठ : गोदान : प्रेमचंद

  तेरा संगी कोई नहीं : मिथिलेश्वर

संदर्भ पुस्तकें :

आयन वॉट	:	उपन्यास का उदय (अनु0)
राल्फ फॉक्स	:	उपन्यास और लोकजीवन (अनु0)
जार्ज लुकाच	:	उपन्यास के सिद्धान्त (अनु0)
ई0एम0 फास्टर्स	:	उपन्यास के पहलू (अनु0)
परमानन्द श्रीवास्तव	:	उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा
राजेन्द्र यादव	:	कहानी : शिल्प और संवेदना
नामवर सिंह	:	कहानी : नई कहानी
देवीशंकर अवस्थी	:	नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति
बटरोही	:	कहानी : रचना–प्रक्रिया और स्वरूप
उपेन्द्रनाथ अश्क	:	हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय
सत्यप्रकाश मिश्र (संपा0)	:	गोदान
इन्द्रनाथ मदान (संपा0)	:	गोदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (संपा0)	:	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मलयज	:	रामचन्द्र शुक्ल
तुम्हारा परसाई	:	कांति कुमार जैन
बालकृष्ण भट्‌ट के श्रेष्ठ निबंध	:	सत्य प्रकाश मिश्र

पत्रिकाएं

सोच विचार (मिथिलेश्वर विशेषांक), आजकल, अनहद और बनास जन (शेखर जोशी केन्द्रित अंक)

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र
भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 513

इकाई : 1

- भारतीय काव्यशास्त्र के विधायक तत्व – काव्य लक्षण, काव्य गुण, काव्य दोष, काव्य हेतु ,काव्य प्रयोजन, काव्य स्वरूप, काव्यवृत्ति, साधारणीकरण, काव्य प्रतिभा
- विविध सम्प्रदाय : प्रमुख आचार्य और उनके मत
  (क) रस, (ख) अलंकार, (ग) रीति,
  (घ) वक्रोक्ति, (ङ) ध्वनि, (च) औचित्य

इकाई : 2

- नाट्य सिद्धान्त
- नाट्य रचना के तत्त्व और प्रयोग
  वस्तु, नेता, रस, अभिनय
  रंग–कर्म, सामाजिक और सूत्रधार

इकाई : 3

- संस्कृत काव्यशास्त्र में भाषा विवेचन :
  (क) शब्द शक्तियाँ,
  (ख) शब्दार्थ–मीमांसा : अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, स्फोट, ध्वनि, वृत्तियां।

इकाई : 4

छन्दशास्त्र :

(क) छंद की अवधारणा और परिवर्तन क्रम
(ख) हिन्दी छंद शास्त्र का विकास
(ग) छंद के विविध आधार : लय, ताल, तुक।

इकाई : 5

- हिन्दी काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना की रूपरेखा
  (क) भक्तिकालीन कवियों के काव्य सिद्धान्त और भक्ति रस
  (ख) रीतिकालीन आचार्यों के काव्यसिद्धान्त और मौलिक उद्भावनाएं :
  आत्म सजगता, पदविन्यास, कलात्मकता
  (विशेष संदर्भ : केशव, देव, चिन्तामणि, भिखारीदास : काव्य लक्षण और कवि–शिक्षा)
  (ग) आधुनिक हिन्दी आलोचना का आरंभिक स्वरूप
  (घ) रामचंद्र शुक्ल और उनकी आलोचना के मानदण्ड–लोकमंगल की भावना, रस की कोटियाँ, साधारणीकरण।
  (ड.) शुक्लोत्तर समीक्षा और समीक्षक
  (च) प्रगतिशील आलोचना

संदर्भ पुस्तकें :

गणेश त्रयम्बक देशपाण्डे	:	साहित्यशास्त्र
कान्तिचंद पांडे	:	स्वतंत्र कलाशास्त्र (भाग–1)
सुशील कुमार डे	:	संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास (2–खण्ड अनु0)
राघवन	:	श्रृंगार प्रकाश (अनु0)
बलदेव उपाध्याय	:	संस्कृत आलोचना
एम0 हिरियना	:	कला अनुभव
राममूर्ति त्रिपाठी	:	भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज
हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक
डॉ0 नगेन्द्र	:	रस सिद्धान्त
रामचन्द्र शुक्ल	:	रस मीमांसा
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	भारतीय काव्यशास्त्र
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	हिन्दी काव्यशास्त्र के मूलाधार
प्रेमकान्त टण्डन	:	साधारणीकरण और सौन्दर्यानुभूति
केशवदास	:	कविप्रिया
भिखारीदास	:	काव्यनिर्णय
देवदत्त कौशिक	:	संस्कृत काव्यशास्त्र में व्यावहारिक समीक्षा
अज्ञेय, संपा0	:	समकालीन कविता में छंद
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	हिन्दी वैष्णव भक्ति काव्य में निहित काव्यादर्श एवं काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त
किशोरीलाल	:	रीतिकालीन कवियों की मौलिक देन
सत्यप्रकाश मिश्र	:	कवि–शिक्षा की परंपरा और हिन्दी रीतिसाहित्य
निशा अग्रवाल	:	सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध
पुत्तूलाल शुक्ल	:	आधुनिक हिन्दी कविता में छंद योजना

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 514**

इकाई : 1

साहित्येतिहास दर्शन :

- इतिहास क्या है ? साहित्य का इतिहास लेखन – दर्शन, दृष्टि और विचारधारा
- काल–विभाजन और नामकरण : समस्या एवं आधार

इकाई : 2

आदिकाल :

- हिन्दी साहित्य का आरम्भ
- आदिकालीन हिन्दी साहित्य की प्रमुख धाराएँ
- आदिकालीन हिन्दी साहित्य का सांस्कृतिक एवं वैचारिक प्रदेय और रचनात्मक प्रवृतियाँ

इकाई : 3

भक्तिकाल :

- भक्ति आंदोलन का उदय : सांस्कृतिक, दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल– लोक जागरण एवं सांस्कृतिक समन्वय
- निर्गुण भक्ति – संत काव्य परम्परा : साहित्यिक, सांस्कृतिक अवदान
- सूफी काव्य परम्परा : साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अवदान

इकाई : 4

सगुण भक्ति–काव्य (कृष्णभक्ति काव्य तथा रामभक्ति काव्य)

- अष्टछाप और उसके प्रमुख कवि
- सम्प्रदाय–मुक्त कृष्ण भक्ति धारा के कवि और उनका काव्य : मीरा और रसखान
- कृष्ण–भक्तिकाव्य का सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रदेय
- रामभक्ति धारा : सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रदेय
- तुलसीदास और उनका काव्य

इकाई : 5

उत्तर–भक्तिकाल और रीतिकाल का अन्तर्सम्बन्ध

- रीतिकालीन काव्य : विविध धाराएँ एवं प्रवृतियाँ
- रीतिकाल की अन्य धाराएं : वीर काव्य, नीति काव्य और भक्ति काव्य
- रीतिकालीन कविता के मूल्यांकन का नया परिप्रेक्ष्य

संदर्भ पुस्तकें :

हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	रामचंद्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	:	हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिंदी साहित्य का अतीत (खण्ड 2)	:	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास	:	रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दी साहित्य का इतिहास (सं0)	:	नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास	:	रामकिशोर शर्मा
भक्ति साहित्य का इतिहास	:	प्रेमशंकर
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य	:	कुंवरपाल सिंह
उत्तरी भारत की संत परंपरा	:	परशुराम चतुर्वेदी
ह्वाट इज हिस्ट्री	:	ई0एच0 कार
ए टेक्टबुक आफ हिस्टिरियोग्राफी	:	ई0 श्रीधरन
हिस्ट्री एण्ड हिस्टोरियन्स : ए हिस्टरियोग्राफिकल इंट्रोडक्शन	:	मार्क टी0 ग्लिडर्हस
साहित्य और इतिहास दृष्टि	:	मैनेजर पाण्डेय
साहित्येतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य की ऐतिहासिक प्रक्रिया	:	हरिश्चंद्र मिश्र
रीतिकाव्य की भूमिका	:	डॉ० नगेन्द्र
साहित्येतिहास दर्शन	:	डॉ० नलिन विलोचन शर्मा

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र
भारतीय साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 515**

इकाई : 1

- भारतीय साहित्य का स्वरूप : अध्ययन की समस्याएँ
- भारतीय साहित्य : आज के भारत का बिम्ब

इकाई : 2

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय
  (बंगला, उड़िया, पंजाबी, मराठी, तेलुगु , कन्नड़)
- भारतीय साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई : 3

- कवितायें : व्याख्या और आलोचना

  (क) सबसे खतरनाक , मैं अब विदा लेता हूँ (पंजाबी) – अवतार सिंह 'पाश'

  (ख) बनलता सेन (बांग्ला) – जीवनानंद दास

  (ग) धनबाद का खनिक (मलयालम) – के0 सच्चिदानंदन

इकाई : 4

- उपन्यास और कहानियाँ : व्याख्या और आलोचना

  (क) उपन्यास : संस्कार (कन्नड़) – यू0 आर0 अनंतमूर्ति

  (ख) कहानी : आवारागर्द (उर्दू) – कुर्रतुल ऐन हैदर

  (ग) कहानी : साहब, दीदी और गुलाम (मराठी) – दया पवार

इकाई : 5

- नाटक और निबन्ध : व्याख्या और आलोचना

  (क) नाटक : खामोश अदालत जारी है (मराठी) – विजय तेंदुलकर

  (ख) निबन्ध : साहित्य का तात्पर्य (बांग्ला) – रवीन्द्र नाथ टैगोर

  (ग) निबन्ध : आत्मकथा, जीवनी और संस्मरण (हिन्दी) – अज्ञेय

संदर्भ पुस्तकें :

डॉ0 नगेन्द्र (सं0)	:	भारतीय साहित्य
इन्द्रनाथ चौधरी	:	भारतीय साहित्य की प्रवृत्तियां
लक्ष्मीकान्त पाण्डेय	:	भारतीय साहित्य
सुकुमार सेन	:	बंग्ला साहित्य का इतिहास
कल्याणी दास	:	बंग्ला साहित्य का इतिहास
अरुण कुमार	:	चयनम्

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
छठा प्रश्न पत्र
सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य
(सूरदास, मीराबाई, तुलसीदास, केशवदास, बिहारी, घनानंद)

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 516**

इकाई : 1

- कृष्ण काव्य : परम्परा एवं प्रवृतियाँ
- कृष्णकाव्य की परंपरा और सूरदास
- रीतिकालीन काव्य : परिवेश, पृष्ठभूमि एवं प्रतिपाद्य

इकाई : 2

- सूरदास और उनका काव्य : जीवनानुभूति और अभिव्यक्ति विधान
- सूरदास : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
- **निर्धारित पाठ्य पुस्तक : 'भ्रमरगीत सार' (संपा0) रामचन्द्र शुक्ल**
  पद संख्या– 11, 23, 25, 29, 50, 64, 70, 88, 92, 94, 97, 114, 121, 143, 163 (15 छंद)
- केशव काव्य की मुख्य विशेषताएं
- केशवदास : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पुस्तक : रामचंद्रिका (प्रकाश 9 एवं 10)

इकाई : 3

- मीराबाई : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
- गीतिकाव्य परंपरा और भक्तिकालीन हिंदी कविता
- कृष्णकाव्य में गीति भावना और उसकी विशेषताएं
- मीरा और उनका काव्य : जीवनानुभूति और अभिव्यक्ति विधान
- **निर्धारित पाठ्य पुस्तक : 'मीरा की पदावली' (खण्ड–2)– संपा0– परशुराम चतुर्वेदी**
  पद संख्या– 1, 5, 7, 10, 14, 18, 19, 25, 31, 33, 38, 44, 51, 66, 73 (कुल 15 पद)
- बिहारी : श्रृंगार का वैभव
- काव्य कला और अभिव्यक्ति विधान
- बिहारी : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
- **निर्धारित पाठ्य पुस्तक : बिहारी सतसई (संपा0) जगन्नाथ दास रत्नाकर (आरम्भिक 40 दोहे)**

इकाई : 4

- तुलसीदास : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
- राम काव्य परम्परा
- राम काव्य में प्रबंध और गीति तत्व

- तुलसीदास और उनका काव्य : जीवनानुभूति और अभिव्यक्ति विधान
- **निर्धारित पाठ्य पुस्तक : कवितावली (उत्तरकांड – राम की कृपालुता, उद्बोधन, नाम विश्वास, कलिवर्णन)**

इकाई : 5

- घनानंद : व्याख्या और आलोचना
- रीति स्वच्छंद काव्यधारा और घनानंद
- **निर्धारित पाठ्य पुस्तक : घनानंद कवित्त– (संपा0) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र**
  1, 2, 3, 5, 6, 8, 15, 16, 17, 20, 29, 32, 50, 73, 82 (15 छंद,)

संदर्भ पुस्तकें :

भ्रमरगीत सार की भूमिका (त्रिवेणी) : रामचन्द्र शुक्ल
सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा
तुलसीदास : माताप्रसाद गुप्त
मीरा की भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन : भगदानदास तिवारी
मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी
बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
स्वच्छन्द काव्यधारा और घनानंद : मनोहरलाल गौड़
केशव की काव्यकला : कृष्ण कुमार शुक्ल
केशव का काव्य : विजयपाल सिंह
तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ
रामकथा का पुनर्पाठ : विनोद शाही
पंचरंग चोला पहिर सखी रे : माधव हाड़ा
हिन्दी नवरत्न : मिश्र बंधु
मीराबाई और भक्ति की आध्यात्मिक अर्थनीति : कुंमकुम संगारी
भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह
मीराँबाई : पुनर्पाठ : बसंत त्रिपाठी

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
7वाँ प्रश्न पत्र
नाटक, रंगमंच एवं अन्य गद्य विधाएँ

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 517**

इकाई : 1

- हिन्दी नाटक और रंगमंच : उद्‌भव और विकास
- हिन्दी नाटक और रंगमंच : आधुनिकता और पाश्चात्य प्रभाव
- भारतेन्दु का रंग चिंतन और **अंधेर नगरी**
- जयशंकर प्रसाद का नाट्य चिंतन और **ध्रुवस्वामिनी**
- हिन्दी का संस्मरण साहित्य
- **निर्धारित पाठ्य पुस्तक : 'याद हो कि ना याद हो' (काशीनाथ सिंह) (दंत कथाओं में त्रिलोचन, होल्कर हाउस में हजारीप्रसाद द्विवेदी, जी ही जाने है आह मत पूछो, गरबीली गरीबी वह)**

इकाई : 2

- नाटक और रंगमंच का अंतर्सम्बन्ध
- नाटक और रंगमंच के तत्त्व, धाराएं और शैलियाँ (पारसी, यथार्थवादी, असंगत, परम्पराशील, लोकनाट्य, कहानी का रंगमंच)
- स्वातंत्र्योत्तर रंग दृष्टि और मोहन राकेश : **आषाढ़ का एक दिन (व्याख्या और आलोचना)**
- निर्मल वर्मा के यात्रा वृत्तांत : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

  चीड़ों पर चांदनी (ब्रेख़्त और एक उदास नगर, सफेद राते और हवा, पेरिस : एक स्टील लाइफ, चीड़ों पर चांदनी)

इकाई : 3

- हिन्दी में आत्मकथा लेखन की परंपरा
- भीष्म साहनी की आत्मकथा – '**आज के अतीतं**' का समीक्षात्मक मूल्यांकन
- धर्मवीर भारती : '**अंधा युग**' : (व्याख्या एवं आलोचना) समकालीन समय की व्यथा कथा मिथक/इतिहास के माध्यम से

इकाई : 4

- नाटक तथा एकांकी में अंतर
- एकांकी के तत्त्व

इकाई : 5

- एकांकी : आलोचनात्मक मूल्यांकन एवं व्याख्या

(क) औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा

(ख) ऊसर – भुवनेश्वर

(ग) अपना–अपना जूता – लक्ष्मीकान्त वर्मा

संदर्भ पुस्तकें :

बच्चन सिंह	:	हिंदी नाटक
दशरथ ओझा	:	हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास
गोविन्द चातक	:	प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना
गिरीश रस्तोगी	:	मोहन राकेश और उनके नाटक
राजकुमार वर्मा	:	एकांकी कला
सिद्धनाथ कुमार	:	प्रसाद के नाटक
हरिमोहन	:	साहित्यिक विधाएं : पुनर्विचार
कमलेश सिंह	:	हिन्दी आत्मकथा स्वरूप एवं साहित्य
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या
संपादक– पल्लव	:	गल्पेतर गल्प का ठाठ काशीनाथ सिंह
महेश आनंद	:	जयशंकर प्रसाद (दो खण्ड)
नेमिचन्द जैन	:	रंग दर्शन
नेमिचन्द जैन	:	आधुनिक हिन्दी रंगमंच
सुनील विक्रम सिंह	:	हिन्दी साहित्य गद्य सर्जना
सम्पादक – आशीष त्रिपाठी	:	आषाढ़ का एक दिन
सम्पादक – कमलेश सिंह	:	मोहन राकेश का नाट्य गौरव : आषाढ़ का एक दिन
रमेश उपाध्याय	:	भीष्म साहनी
सम्पादक – अशोक वाजपेयी	:	निर्मल वर्मा
सम्पादक – राजेश्वर सक्सेना, प्रताप ठाकुर	:	भीष्म साहनी व्यक्ति और रचना

पत्रिकाएं

चौपाल, सोच विचार, कहन (काशीनाथ सिंह विशेषांक)

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
8वाँ प्रश्न पत्र
पाश्चात्य समीक्षा सिद्धान्त

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 518**

इकाई : 1

- आलोचना तथा आलोचक, प्रकृति और उद्‌देश्य, सर्जनात्मक साहित्य में उसका स्थान
- पाश्चात्य साहित्यालोचन के इतिहास की रूपरेखा

इकाई : 2

- यूनानी काव्यशास्त्र और उसमें प्लेटो एवं अरस्तू की स्थिति और उनके सिद्धान्त : विरेचन, अनुकरण, ट्रैजिडी तथा लिरिक महाकाव्य
- रोमीय एवं मध्ययुगीन काव्यशास्त्र

इकाई : 3

- पुनर्जागरण एवं नवशास्त्रवादी युग – शाश्वत एवं अपरिवर्तनीय प्रतिमानों की मांग, निर्णयात्मक आलोचना की प्रगति।
- स्वछंदतावादी युग के प्रतिमान, दर्शन तथा पृष्ठभूमि, कॉलरिज एवं वड्‌र्सवर्थ विवाद, जर्मनी तथा इंग्लैण्ड में स्वच्छन्दतावादी आलोचना की स्थिति

इकाई : 4

- क्रोचे की सौन्दर्य दृष्टि एवं आलोचना, अभिव्यंजनावाद।
- आधुनिक युग में आलोचना की स्थिति तथा नई समीक्षा – टी0 एस0 इलियट, जॉन क्रेव रैंसम तथा आई0ए0 रिचड्‌र्स का योगदान।

इकाई : 5

- विशिष्ट समकालीन आलोचक तथा उनके सिद्धान्त : रोलाबार्थ, देरिदा – संरचना, पाठ और विच्छेदन।

संदर्भ पुस्तकें :

लीलाधर गुप्त	:	पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धान्त (अनु0)
रेनेवेलेक	:	साहित्य सिद्धान्त (अनु0)
शम्भूनाथ झा	:	रिचर्ड्स के आलोचना सिद्धान्त
रामदरश मिश्र	:	हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ
अरस्तू	:	पोयटिक्स (संपा0– डॉ0 नगेन्द्र)
प्रभा खेतान	:	शब्दों का मसीहा– सार्त्र
मार्क्स एंगेल्स	:	साहित्य के बारे में (प्रगति प्रकाशन)
सुधीश पचौरी	:	देरिदा का विच्छेदन सिद्धान्त और साहित्य
इलियट	:	दि यूज ऑव पोयट्री एण्ड यूज ऑव क्रिटिसिज्म
जड़ाऊलाल मेहता	:	हाइडेगर
क्रोचे	:	एस्थेटिक्स
शिवमूर्ति पाण्डे	:	टी0एस0 इलियट के आलोचना सिद्धान्त
राबर्ट पेनवारेन एवं क्लींथ बुक्स	:	अण्डरस्टैंडिंग पोयट्री
तारकनाथ बाली	:	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
सावित्री सिन्हा (संपा0)	:	पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा
गोपीचंद नारंग	:	उत्तर संरचनावाद, संरचनावाद एवं प्राच्यवाद

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
9वाँ प्रश्न पत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 519**

इकाई : 1

- आधुनिकता : अवधारणा और प्रवृतियां
- भारतीय नवजागरण और हिन्दी क्षेत्र का नवजागरण
- आधुनिक काल के उदय की पृष्ठभूमि

इकाई : 2

- आधुनिक हिन्दी कविता
- खड़ी बोली काव्य का विकास : प्रारम्भिक चरण (भारतेन्दु और द्विवेदी युगीन कविता)
- छायावाद : प्रमुख कवि एवं काव्य प्रवृतियां
- प्रगतिवाद : प्रमुख कवि एवं काव्य प्रवृतियां
- प्रयोगवाद और नई कविता : प्रमुख कवि एवं काव्य प्रवृतियां
- समकालीन हिन्दी कविता की रूपरेखा

इकाई : 3

- हिन्दी गद्य : उद्‌भव एवं विकास
- हिन्दी गद्य तथा भारतेन्दु
- हिन्दी गद्य की विविध विधायें : सक्षिप्त परिचय
- हिन्दी गद्य के विकास में महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनके सहयोगी लेखको की भूमिका

इकाई : 4

- हिन्दी नाटक और रंगमंच : स्वरूप और विकास
- हिन्दी आलोचना का आरम्भ और विकास

- हिन्दी कथा साहित्य के विकास के विविध चरण
    - (क) कहानी विधा का विकास : विभिन्न कहानी आन्दोलनों की संक्षिप्त रूपरेखा
    - (ख) हिन्दी उपन्यास और यथार्थवादी चेतना

इकाई : 5

- हिन्दी के अन्य गद्य रूपों का विकास : संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, डायरी, गद्यकाव्य आदि का संक्षिप्त परिचय
- समकालीन विमर्श

संदर्भ पुस्तकें :

क्रिस्टोफर किंग	:	वन लैंग्वेज टू स्किप्ट्स
मैक ग्रेकर	:	हिस्ट्री ऑफ लिट्रेचर
सुमन राजे	:	हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	हिन्दी गद्य : विकास और विन्यास
रामचन्द्र तिवारी	:	हिन्दी का गद्य साहित्य
लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	:	आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका (1757–1857 ई0)
लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	:	आधुनिक साहित्य (1857–1900 ई0)
श्रीकृष्ण लाल	:	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास (1900–1925 ई0)
रामकिशोर शर्मा	:	हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास
बच्चन सिंह	:	आधुनिक साहित्य का इतिहास
बच्चन सिंह	:	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास
नामवर सिंह	:	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां
नामवर सिंह	:	छायावाद

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
10वाँ प्रश्न पत्र
लोक साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 520**

इकाई : 1

- लोक : प्राचीन और आधुनिक अवधारणा
- लोकवृत्त : परिभाषा और क्षेत्र
- लोकवार्ता एवं लोकवर्ता के सहयोगी शास्त्र – नृविज्ञान, मिथक, पुरातत्त्व और इतिहास, समाजशास्त्र,
- लोक साहित्य : परिभाषा, विशेषताएं
- लोक साहित्य और लोक वार्ता

इकाई : 2

- लोक साहित्य का वर्गीकरण
  (क) प्रमुख रूप – लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोक नाटक
  (ख) गौण रूप – लोकोक्तियाँ, मुहावरें, पहेलियाँ
- लोकसाहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अन्तर और अन्तर्सम्बन्ध
- लोक साहित्य और लोक मानस
- लोक साहित्य और लोक संस्कृति का अंतर्संबंध

इकाई : 3

- लोकगीत : परिभाषा और लक्षण
- लोकगीतों के विविध रूपों का परिचय
- **निर्धारित पाठ : लोकगीत**
  अवधी – कजरी, टोना, सुहाग, भाँवर।
  भोजपुरी – सोहर, अलचारी, विवाह–गीत, चैता।
- **निर्धारित पाठ : कवितायें**

अवधी

क. बिटउनी – बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस'
ख. धरती हमार – चन्द्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका'

भोजपुरी

क. नाव मंत्री के, अब रहींला हम – बेढब 'बनारसी'
ख. कवने खोतवा में लुकइलू – भोलानाथ 'गहमरी'
ग. मृग–तृष्णा – मोती बी.ए.

ब्रज

क. तीन मुक्तक – गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
ख. रसवन्त कवित्तन की रितु आई – बैजनाथ गुप्त 'बृजेन्द्र'

छत्तीसगढ़ी

क. अमरइया में – भगवती सेन
ख. ढरका दिन बादर के दुहना – रमेश अहीर

कुमाऊँनी

क. कुन्थी – देवकी मेहरा
ख. उकाव हुलार – रमेश चन्द्र शाह

इकाई : 4

- लोक गाथा : परिभाषा और लक्षण
- प्रमुख लोकगाथाओं का परिचय – लोरिकायन, चन्दायन, आल्हा
- लोक कथा : परिभाषा और लक्षण
- लोक कथाओं का वर्गीकरण, कथाभिप्राय, कथानक रूप, मिथक, परीकथाएँ, पशुपक्षी कथाएं
- **निर्धारित पाठ : कहानी**
  अवधी : क. भैरो के माई – विद्या बिन्दु सिंह
  भोजपुरी : क. डुगडुगी – रामदेव शुक्ल
  ख. मुट्टन काका के एक्का के सवारी – रामेश्वरनाथ तिवारी

इकाई : 5

- लोक नाटक : परिभाषा और लक्षण
- हिन्दी की जनपदीय बोलियों के प्रमुख लोकनाटकों का संक्षिप्त परिचय
- **निर्धारित पाठ : लोक नाटक**

  बिदेसिया – भिखारी ठाकुर

संदर्भ पुस्तकें :

शारलॉत सोफिया बर्न	:	दि हैंडबुक ऑफ फोकलोर
कृष्णदेव उपाध्याय	:	लोक साहित्य की भूमिका
सत्यव्रत सिन्हा	:	भोजपुरी गाथा
रामनरेश त्रिपाठी	:	कविता कौमुदी : ग्राम्य गीत
इन्दुप्रकाश पांडे	:	अवधी लोकगीत और परम्परा
सत्येन्द्र	:	ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन
ग्रियर्सन नवा	:	भाषा सर्वेक्षण
रामइकबाल सिंह 'राकेश'	:	मैथिली लोकगीत
सत्येन्द्र	:	लोक साहित्य विज्ञान
सूर्यकरण पारिख	:	राजस्थानी लोकगीत
धीरेन्द्र वर्मा	:	मध्यदेश
त्रिलोचन पांडे	:	कुमाऊँनी लोक साहित्य
शंकरलाल यादव	:	हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य
सत्या गुप्ता	:	खड़ीबोली का लोक साहित्य
हरदेव बाहरी	:	ग्रामीण हिन्दी बोलियाँ
श्याम परमार	:	मालवी लोक साहित्य
मेहनलाल बाऊलकर	:	गढ़वाली लोक साहित्य
श्रीधर शास्त्री	:	भोजपुरी लोक साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन
श्याम परमार	:	भारतीय लोक साहित्य
इन्द्रदेव सिंह	:	लोक साहित्य
दिनेश्वर प्रसाद	:	लोक साहित्य और संस्कृति
त्रिलोचन पांडे	:	लोक साहित्य का अध्ययन
विद्यानिवास मिश्र	:	चंदन चौक
धनन्जय सिंह	:	पुरबियों का लोकवृत्त
नर्मदा प्रसाद गुप्त	:	बुंदेली लोक साहित्य : परंपरा और इतिहास
गोरे लाल तिवारी	:	बुंदेलखंड का संक्षिप्त इतिहास

पत्रिकाएं

समकालीन जवाबदेही (लोक संस्कृति अंक)

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
11वाँ प्रश्न पत्र
आधुनिक काव्य
(20वीं शताब्दी के आरंभ से छायावाद तक)

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 521**

इकाई : 1

आधुनिक हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि और नए संदर्भ

- हिन्दी कविता का नया युग : युगीन भावना, चिन्तन, विषयवस्तु, भाषा, काव्यरूप, शैली–शिल्प
- आधुनिक युग की रचनात्मक चुनौतियाँ और हिन्दी का आख्यानमूलक काव्य
- **मैथिलीशरण गुप्त** की काव्य–यात्रा और **'साकेत'**
- रामकाव्य–परम्परा और साकेत **(केवल आलोचनात्मक अध्ययन) :** राष्ट्रीय चेतना, युगीन आदर्श, नारी भावना और काव्यत्व

इकाई : 2

छायावादी काव्यांदोलन : उद्‌भव एवं विकास, नवीन रचना–दृष्टि और सौन्दर्य भावना

- जयशंकर प्रसाद की काव्य–यात्रा और 'कामायनी'
- कामायनी : प्रेरणा, कल्पना, विषयवस्तु, जीवन दर्शन, युगीन संदर्भ, महाकाव्यत्व, आलोचना–प्रक्रिया
- कामायनी : श्रद्धा–सर्ग और इड़ा–सर्ग (व्याख्या और आलोचना)

इकाई : 3

निराला और छायावाद :

- काव्य–यात्रा
- निर्धारित पाठ : व्याख्या और आलोचना : राम की शक्ति–पूजा (राग विराग, सम्पादक डॉ० रामविलास शर्मा)

इकाई : 4

पंत की काव्य यात्रा के विविध सोपान

- व्याख्या और आलोचना हेतु पंत की निर्दिष्ट कविताएँ :

  प्रथम रश्मि, परिवर्तन, ग्रामश्री (आधुनिक कवि : पंत, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

इकाई : 5

छायावाद और महादेवी

- छायावादी काव्य में रहस्य भावना और महादेवी वर्मा
- महादेवी के काव्य में स्वाधीन चेतना और गीतिकाव्य तत्व
- महादेवी की निर्दिष्ट कविताएँ (व्याख्या और आलोचना) :

(1) यह मंदिर का दीप (2) शलभ मैं शापमय वर हूँ (3) मैं नीर भरी दुःख की बदली
(4) फिर विकल है प्राण मेरे (5) कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो

(संधिनी : महोदवी वर्मा)

संदर्भ पुस्तकें

मोहन अवस्थी	:	आधुनिक काव्य शिल्प
उमाकांत गोयल	:	मैथिलीशरण गुप्त
शशि अग्रवाल	:	मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के मुख्य स्रोत
प्रेमशंकर	:	प्रसाद का काव्य
दूधनाथ सिंह	:	निराला : आत्महंता आस्था
नामवर सिंह	:	छायावाद
नामवर सिंह	:	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
कुमार विमल	:	महादेवी का काव्य–सौष्ठव
दूधनाथ सिंह	:	महादेवी
रमेशचन्द्र शाह	:	जयशंकर प्रसाद
प्रभाकर श्रोत्रिय	:	जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता
डॉ० नगेन्द्र	:	कामायनी के अध्ययन की समस्याएं
डॉ० राम स्वरूप चर्तुर्वेदी	:	कामायनी एक पुनर्मूल्यांकन
मुक्तिबोध	:	कामायनी एक पुनर्विचार
परमानंद श्रीवास्तव (संपा0)	:	महादेवी
शम्भुनाथ	:	मिथक और आधुनिक कविता
शिवकुमार मिश्र	:	आधुनिक कविता और युग संदर्भ
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	आधुनिक कविता–यात्रा
डॉ0 नगेन्द्र	:	साकेत : एक अध्ययन
निर्मला अग्रवाल	:	खड़ी बोली काव्य : ऐतिहासिक संदर्भ और मूल्यांकन

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

कबीर

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 551**

इकाई : 1

- भक्ति आन्दोलन और कबीर
- कबीर का जीवन–वृत्त : मिथक एवं ऐतिहासिकता

इकाई : 2

- कबीर की रचनाओं की विभिन्न पाठ–परम्पराएँ और उनकी प्रामाणिकता
- कबीर की कृतियों का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई : 3

- **कबीर ग्रंथावली** :
  पद – 1, 2, 4, 5, 6, 7, 10, 11, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 23, 25, 27, 28, 29, 31, 32, 34, 36, 37, 39, 41, 43, 50, 54, 56, 61, 66, 67, 68, 70, 83, 87, 102, 107, 108, 114, 120, 124, 126, 127, 128, 131, 145, 161, 162, 163, 167, 170, 174, 178, 191, 194, 199, 200 (कुल 60 पद)।

  साखी
  क. सुमिरन भजन महिमा कौ अंग
  ख. पिउ पहिचानवे कौ अंग
  (कबीर ग्रन्थावली– (सं0. डॉ0 पारसनाथ तिवारी)

इकाई : 4

- कबीर की विचारधारा : दार्शनिक, सामाजिक, धार्मिक, भक्तिपरक, साधनापरक

इकाई : 5

- कबीर का काव्य, उसकी लोकधर्मी परंपरा, भावाभिव्यक्ति की शैली तथा अन्य विशेषताएँ
- कबीर के काव्य का कलापक्ष– छंद, अलंकार, उलटबाँसी और उसका अर्थ–संधान
- कबीर की भाषा के विविध रूप : मूलाधार बोली, अभिव्यंजना पक्ष

संदर्भ पुस्तकें :

रामकुमार वर्मा	: कबीर का रहस्यवाद
परशुराम चतुर्वेदी	: उत्तरी भारत की संत परम्परा
सरनाम सिंह शर्मा	: कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त
माताबदल जायसवाल	: कबीर की भाषा
नजीर मुहम्मद	: कबीर के काव्य रूप
गोविन्द त्रिगुणायत	: कबीर की विचारधारा
रामचन्द्र तिवारी	: कबीर मीमांसा
जयदेव सिंह (संपा0)	: संत कवि कबीर
जयदेव सिंह	: हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर
भवानीदत्त उप्रेती	: संत कवि कबीर
रघुवंश	: कबीर : एक नयी दृष्टि
रामकिशोर शर्मा	: कबीर वाणी : कथ्य और शिल्प
धर्मवीर	: कबीर के आलोचक
धर्मवीर	: कबीर के कुछ और आलोचक
धर्मवीर	: कबीर खसम खुशी क्यों होय ?
मुजीब रिजवी	: पीछे फिरत कहत कबीर

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
जायसी

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 552**

इकाई : 1

भक्ति आंदोलन और जायसी

- जायसी और सूफी विचारधारा
- जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- मध्यकालीन साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष
- सूफी मत और जायसी

इकाई : 2

जायसी की प्रेम साधना

- प्रेम भक्ति साधना और जायसी
- इस्लाम का एकेश्वरवाद और भारतीय धर्म साधना का अद्वैतवाद : रूपगत और दृष्टिगत भेद

इकाई : 3

सूफी दर्शन की रहस्य साधना का पक्ष और जायसी

- रहस्यवाद की व्याख्या
- उपास्य रूपक प्रेमतत्व
- भावमूलक रहस्यवाद
- अभिव्यक्ति मूलक रहस्यवाद

इकाई : 4

जायसी की काव्य कला और सौन्दर्य दृष्टि

- जायसी की काव्य भाषा
- सूफी कवियों का शिल्पगत वैशिष्ट्य और जायसी
- जायसी की सौन्दर्य दृष्टि

इकाई : 5

जायसी काव्य की व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ

पद्मावत : 1. सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड, 2. सुआ खण्ड,
3. प्रेम खण्ड, 4. नागमती वियोग खण्ड

जायसी ग्रंथावली– (संपा0) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

संदर्भ पुस्तकें

गोविन्द त्रिगुणायत : कबीर और जायसी के रहस्यवाद का तुलनात्मक अध्ययन

चन्द्रबली पाण्डेय : तसव्वुफ अथवा सूफीमत

रामचंद्र तिवारी : मध्यकालीन काव्य साधना

हजारीप्रसाद द्विवेदी : मध्यकालीन धर्म साधना

वासुदेव शरण अग्रवाल : पद्मावत (मूल और संजीवनी व्याख्या)

शिवसहाय पाठक : पद्मावत का काव्य सौन्दर्य

इन्द्रचन्द्र नारंग : पद्मावत का ऐतिहासिक आधार

परशुराम चतुर्वेदी : भारतीय प्रेमाख्यान परंपरा

मुंशीराम शर्मा : भक्ति का विकास

सत्येन्द्र : मध्ययुगीन हिंदी साहित्य का लोकतांत्रिक अध्ययन

श्याम मनोहर पाण्डेय : मध्ययुगीन प्रेमाख्यान

गुलाब राय, शम्भूनाथ पाण्डेय : रहस्यवाद और हिंदी कविता

रामपूजन तिवारी : सूफीमत साधना और साहित्य

जयदेव : सूफी महाकवि जायसी

विमल कुमार जैन : सूफीमत और हिंदी साहित्य

कमल कुलश्रेष्ठ : हिंदी प्रेमाख्यानक काव्य

रघुवंश : जायसी एक नई दृष्टि

विजयदेव नारायण साही : जायसी

मुजीब रिजवी : सब लिखनी कै लिखु संसारा

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
सूरदास

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 553**

इकाई : 1

भक्ति आन्दोलन और सूरदास

(क) मध्य युग : सामाजिक अवस्था और भक्ति आंदोलन

(ख) वैष्णव आचार्य में आचार्य बल्लभ का स्थान

(ग) शुद्धाद्वैत दर्शन और पुष्टिमार्गीय भक्ति संप्रदाय

(घ) वल्लभ संप्रदाय तथा अन्य कृष्ण–भक्त

इकाई : 2

कृष्ण भक्ति परम्परा और सूरदास

- कृष्ण भक्ति–साहित्य की परंपरा
- अष्टछाप और सूरदास
- सुरदास का जीवन–चरित्र : अंतःसाक्ष्य और बहिर्साक्ष्य जनश्रुति
- सूरदास की रचनाएँ और उनकी प्रामाणिकता
- हिन्दी कृष्ण काव्य परम्परा में सूरदास का स्थान

इकाई : 3

सूरदास की भक्ति : दार्शनिक और वैचारिक आधार

- सूरसागर पर श्रीमद्भागवत तथा अन्य पुराणों का प्रभाव और मौलिकता
- सूरदास की प्रबंध कल्पना : कृष्णलीला, विविध कथाएँ

इकाई : 4

सूर की काव्य कला

- सूर की पात्र कल्पना
- सूर की गीत योजना
- सूर की भावाभिव्यंजना
- सूर का वर्णन कौशल और सौन्दर्य सृष्टि

- सूर की भाषा–शैली और उसके विविध रूप
- सूर की अलंकार योजना, छंद–विधान

इकाई : 5

सूरसागर से निर्धारित पाठ :

- सूरदास की हस्तलिखित प्रतियाँ, मुद्रित संस्करण, उसके पाठ की समस्या, उनका सामान्य रूप।
- सूरसागर : व्याख्या हेतु निर्धारित 60 पद (धीरेन्द्र वर्मा सं0 सूरसागर सार)

  * विनय तथा भक्ति– 20 पद : 1, 2, 4, 11, 12, 18, 19, 21, 22, 23, 24, 25, 32, 39, 42, 44, 45, 46, 48, 54

  * गोकुल लीला– 10 पद : 6, 7, 13, 16, 18, 19, 25, 33, 35, 56

  * वृन्दावन लीला– 10 पद : 38, 42, 50, 79, 86, 145, 151, 156, 160, 166

  * मथुरा गमन – 10 पद : 56, 60, 62, 64, 68, 87, 93, 101, 104, 111

  * उद्धव संदेश – 10 पद : 49, 60, 65, 77, 95, 97, 102, 127, 136, 139

संदर्भ पुस्तकें

नन्द दुलारे वाजपेयी : सूरदास

रामचन्द्र शुक्ल (सं0) : भ्रमरगीत सार

प्रभु दयाल मीतल : अष्टछाप निर्णय

विजयेन्द्र स्नातक : बल्लभ सम्प्रदाय : सिद्धान्त और साहित्य

हरवंश लाल शर्मा : सूर और उनका काव्य

सावित्री श्रीवास्तव : नाभादास कृत भक्तमाल तथा प्रियादास कृत टीका का पाठालोचन

ब्रजेश्वर वर्मा : सूरदास

मनमोहन गौतम : सूर की काव्यकला

विट्ठलनाथ : भक्तिहंस (अनु. केदानाथ)

हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूर साहित्य

मीरा श्रीवास्तव : कृष्ण काव्य में सौन्दर्य बोध एवं रसानुभूति

नगेन्द्र (सं0) : सूरदासः ए रिवैल्युएशन

लक्ष्मी शंकर निगम : श्रीबल्लभाचार्य : उनका शुद्धाद्वैत एवं पुष्टिमार्ग

राजेन्द्र कुमार वर्मा (संपा0) : सूरसागर भाष्य

रमेश कुंतल मेघ : मनखंजन किनके

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
तुलसीदास

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 554**

इकाई : 1

भक्ति और भक्ति आन्दोलन

- भक्ति की परिभाषा और स्वरूप
- भक्ति का उद्‌भव और विकास
- भक्ति साहित्य : पुनरवलोकन

इकाई : 2

तुलसीदास की दार्शनिक विचारधारा और भक्ति

- तुलसीदास का जीवन एवं आत्म संघर्ष
- तुलसीदास की समकालीन परिस्थितियाँ
- तुलसीदास का भक्ति दर्शन
- **विनय पत्रिका** : आलोचना एवं व्याख्या

  निर्धारित पाठ : 88, 105, 111, 115, 121, 162, 169, 172, 188, 198, 275, (कुल 10 पद)

इकाई : 3

राम काव्य परंपरा और तुलसीदास

- राम कथा की आधारभूत सामग्री और उसके ग्रहण का दृष्टिकोण
- तुलसीदास की कृतियों का अनुशीलन : प्रामाणिकता, तिथिक्रम और पाठ की दृष्टि से
- रामकाव्य की परंपरा में तुलसीदास का स्थान
- **कवितावली :** : आलोचना एवं व्याख्या

  उत्तरकांड : निर्धारित पाठ : 23, 57, 64, 72, 73, 81, 96, 97, 106, 108, 129, 148, 175, 176, 177 (कुल 15 पद)

इकाई : 4

तुलसीदास की काव्य कला और भक्ति धारा में स्थान

- तुलसीदास की पात्र कल्पना और चरित्र चित्रण
- तुलसी की मौलिकता
- तुलसीदास की लोकचेतना
- तुलसीदास का मर्यादाबोध
- **दोहावली :** आलोचना एवं व्याख्या
  निर्धारित पाठ : दोहा संख्या 252, 260, 358 467, 507, 508, 522, 531, 549, 573, (कुल 10 दोहे)

इकाई : 5

रामचरितमानस : व्याख्या एवं आलोचना

निर्धारित पाठ : अयोध्याकाण्ड (157 से अंत तक)

संदर्भ पुस्तकें :

रामचन्द्र शुक्ल : गोस्वामी तुलसीदास
माताप्रसाद गुप्त : तुलसीदास
विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : तुलसी की साधना
कामिल बुल्के : रामकथा
राजपति दीक्षित : तुलसीदास और उनका युग
रमेश कुंतल मेघ : तुलसी : आधुनिक वातायन से
विश्वनाथ त्रिपाठी : लोकवादी तुलसीदास
युगेश्वर : तुलसीदास : आज के संदर्भ में
योगेन्द्र प्रताप सिंह : मानस के रचना शिल्प का विश्लेषण
उदयभानु सिंह : तुलसी दर्शन मीमांसा
उदयभानु सिंह : तुलसी काव्य मीमांसा
विष्णुकान्त शास्त्री : तुलसी के हिय हेरि
नगेन्द्र : तुलसीदास : हिज माइण्ड एंड आर्ट
रामविलास शर्मा : भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास
भदंत आनंद कौसल्यायन : तुलसी के तीन पात
ज्योतिष जोशी : तुलसी का स्वप्न और लोक
राधावल्लभ त्रिपाठी : रामायण का पुनर्पाठ
कमलानंद झा : तुलसीदास का काव्य विवेक और मर्यादाबोध
अवधेश प्रधान : सीता की खोज
डॉ. नरेंद्रदेव पाण्डेय : तुलसी साहित्य की अर्थ समस्याएँ और उनका निदान
प्रभाकर श्रोत्रिय : कवि परम्परा : तुलसी से त्रिलोचन
विवेक निराला : तुलसीदास : पुनर्पाठ

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
प्रसाद

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 556**

इकाई : 1

प्रसाद का जीवन वृत्त एवं रचना संसार

- प्रसाद का जीवन वृत्त
- प्रसाद साहित्य का संक्षिप्त परिचय
- प्रसाद की जीवन दृष्टि और भारतीय दर्शन

इकाई : 2

छायावादी काव्यांदोलन और जयशंकर प्रसाद

- प्रसाद का काव्य : 'कामायनी' और 'आंसू' का विशेष अध्ययन
- कामायनी से निर्धारित पाठ : काम, लज्जा एवं आनन्द सर्ग
- आंसू का संपूर्ण पाठ

इकाई : 3

प्रसाद का नाट्य लेखन और रंगदर्शन

- प्रसाद के नाटक : 'स्कन्दगुप्त' एवं 'चन्द्रगुप्त' का विशेष अध्ययन

इकाई : 4

प्रसाद का कथा एवं कथेतर साहित्य

- प्रसाद का कथा साहित्य एवं निबन्ध : 'कंकाल' और 'काव्यकला और अन्य निबन्ध' का विशेष अध्ययन
- कहानी : आकाशदीप, मधुवा, गुंडा
- छायावाद, आधुनिक साहित्य और प्रसाद

इकाई : 5

प्रसाद का आलोचनात्मक गद्य

- काव्य और कला, रहस्यवाद, यथार्थवाद और छायावाद सम्बन्धी प्रसाद के विचार
- प्रसाद की रंगमंच सम्बन्धी मान्यताएँ
- प्रसाद की अन्य आलोचनाएँ

संदर्भ पुस्तकें

नन्ददुलारे वाजपेयी	:	जयशंकर प्रसाद
मुक्तिबोध	:	कामायनी : एक पुनर्विचार
नगेन्द्र	:	कामायनी के अध्ययन की समस्या
प्रेमशंकर	:	प्रसाद का काव्य
सिद्धनाथ कुमार	:	प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन
रामलाल सिंह	:	कामायनी – अनुशीलन
वेदज्ञ आर्य	:	कामायनी की पारिभाषिक शब्दावली
गोविन्द चातक	:	प्रसाद के नाटकों का स्वरूप और संरचना
गिरीश रस्तोगी एवं जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव	:	प्रसाद का कथा साहित्य
गिरिजा राय	:	कामायनी की आलोचना प्रक्रिया
अनूप कुमार	:	प्रसाद की रचनाओं में संस्करणगत परिवर्तनों का अध्ययन
सूर्यप्रसाद दीक्षित	:	प्रसाद का गद्य
कृपाशंकर पाण्डेय	:	छायावाद की खड़ीबोली और प्रसाद
प्रभाकर श्रोत्रिय	:	जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
निराला

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 557**

इकाई : 1

- निराला का जीवन संघर्ष और रचनात्मक विकास
- छायावादयुगीन परिदृश्य और निराला का साहित्य
- नवजागरण और निराला की वैचारिक पृष्ठभूमि
- निराला का काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- निराला का गद्य : रोमान से यथार्थ की यात्रा

इकाई : 2

व्याख्या एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन हेतु निर्धारित कविताएँ

1. जुही की कली, 2. अधिवास 3. बादल राग (भाग–6), 4. कल्पना के कानन की रानी, 5. टूटें सकल बंध कलि के, 6. सरोज स्मृति, 7. तुलसीदास (छंद 1 से 35 तक), 8. हिंदी के सुमनों के प्रति पत्र, 9. स्फटिक शिला, 10. जल्द जल्द पैर बढ़ाओ, 11. राजे ने अपनी रखवाली की, 12. शिशिर की शर्वरी, 13. प्रिया के प्रति, 14. स्नेह निर्झर बह गया है, 15. दुखता रहता है अब जीवन, 16. पत्रोत्कंठित जीवन का विष बुझा हुआ है,

- निराला की लंबी कविताओं का विन्यास
- निराला के परवर्ती गीत : मोहभंग एवं मुक्ति चेतना

  पाठ्यपुस्तक : निराला की प्रतिनिधि कविताएँ (सं. विवेक निराला)

इकाई : 3

निर्धारित पाठ (व्याख्या एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन हेतु)

बिल्लेसुर बकरिहा, कुल्ली भाट (उपन्यास), देवी, दो दाने, श्यामा (कहानियाँ)

निराला का कथा शिल्प : शिल्पगत नवीनता, भाषा शैली

निराला का कथा साहित्य : सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना का रूपांकन

इकाई : 4

निर्धारित पाठ (व्याख्या एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन हेतु)

साहित्य की समतल भूमि (साहित्यिक निबंध), बाहरी स्वाधीनता और स्त्रियाँ (संपादकीय लेख), मेरे गीत और कला (भूमिका)

पाठ्य पुस्तक : निराला संचयन (सं: विवेक निराला, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

- निराला के साहित्यिक निबंध : साहित्य के स्वधर्म की ओर
- निराला के साहित्येतर निबंध : हिंदी नवजागरण के अंतर्द्वंद्वों की अभिव्यक्ति

इकाई – 5

- निराला की संपादन दृष्टि और मतवाला
- निराला का बाल साहित्य
- निराला द्वारा किए गए अनुवाद

संदर्भ पुस्तकें

रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य–साधना (खण्ड–3)
नंददुलारे वाजपयी : कवि निराला
बच्चन सिंह : निराला का काव्य : औपनिवेशिक और उत्तर औपनिवेशिक समय
दूधनाथ सिंह : निराला : आत्महंता आस्था
नंदकिशोर नवल : निराला की छवियां
नंदकिशोर नवल : निराला : कृति से साक्षात्कार
भवदेव पाण्डेय : एवम् निराला
तरुण कुमार : निराला की विचारधारा और विवेकानंद
संध्या सिंह : निराला के काव्य का राजनीतिक संदर्भ
राजेन्द्र कुमार (संपा0) : स्वाधीनता की अवधारणा और निराला
ए0 अरविंदाक्षण (संपा0) : निराला : एक पुनर्मूल्यांकन
धनंजय वर्मा : निराला काव्य का पुनर्मूल्यांकन
रेखा खरे : निराला की कविताएं और काव्यभाषा
शशिकला राय : समय के साक्षी : निराला
विवेक निराला : निराला साहित्य में प्रतिरोध के स्वर
संतोष भदौरिया : हिन्दी की लम्बी कविता का कद

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
अज्ञेय

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 558**

इकाई : 1

- अज्ञेय की रचना यात्रा : कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, यात्रावृत्त, संस्मरण, ललित निबंध, आलोचना एवं संपादन
- अज्ञेय साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्रोत : बौद्ध दर्शन, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद, मनोविश्लेषणवाद, टी0एस0 इलियट के साहित्य सिद्धान्त, नवरहस्यवाद एवं अन्य प्रभाव

इकाई : 2

- अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : व्यक्तित्व व सृजनात्मकता, रचना प्रक्रिया, भाषा व सप्रेषण की समस्या, भाषा और अनुभूति का अद्वैत, मौन विभाजन।
- अज्ञेय की सभ्यता समीक्षा : रचना और जीवन दृष्टि, मनुष्य प्रकृति और यंत्र, व्यक्ति, परम्परा राजसत्ता और समाज, व्यक्ति–स्वातंत्र्य के अर्थ, प्रेम और मृत्यु, प्रेम और स्वाधीनता।

इकाई : 3

- अज्ञेय और 'नई कविता'
- आलोचनात्मक लेख : 'तारसप्तक' की भूमिका, सर्जना के क्षण।

इकाई : 4

- कथा शिल्प के नए प्रयोग और अज्ञेय
- कथा साहित्य : व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ, नदी के द्वीप (उपन्यास), कोठरी की बात (कहानी)

इकाई : 5

- व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएँ :

  शिशिर के प्रति (भग्नदूत), हरी घास पर क्षण भर, देखती है दीठ (हरी घास पर क्षण भर), कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, यह मुकुर तुम्हारा, असाध्य वीणा, द्वितीया।

संदर्भ पुस्तकें :

शम्भुनाथ	:	मिथक और आधुनिक कविता
रामदरश मिश्र	:	आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक सन्दर्भ
शम्भुनाथ	:	कवि की नई दुनिया
प्रणय कृष्ण	:	अज्ञेय का काव्य प्रेम : प्रेम और मृत्यु
संजय कुमार	:	अज्ञेय : प्रकृति काव्य और काव्य प्रकृति
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या
ओम थानवी (संपा0)	:	अपने अपने अज्ञेय, भाग–1 एवं 2
विनोद कुमार मंगलम	:	अज्ञेय और पाश्चात्य साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन

हितेश कुमार सिंह (संपादक) : अज्ञेय होने का अर्थ

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
मुक्तिबोध

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 559**

इकाई : 1

- मुक्तिबोध : जीवन वृत्त और रचनात्मक संघर्ष
- नयी कविता आन्दोलन और मुक्तिबोध
- मुक्तिबोध : कला और विचारधारा का द्वन्द्व

इकाई : 2

- यथार्थ और फैण्टेसी : मुक्तिबोध के काव्य की रचना प्रक्रिया
- मुक्तिबोध की काव्यानुभूति की बनावट

इकाई : 3

- मुक्तिबोध की लम्बी कविताएं : जटिल यथार्थ की समग्र अभिव्यक्ति

निर्धारित पाठ :

क. कविताएं– पूंजीवादी समाज के प्रति, लाल सलाम, भूरी–भूरी खाक धूल, जड़ीभूत ढांचों से लड़ेंगे, अंतःकरण का आयतन, चकमक चिनगारियां, चांद का मुंह टेढ़ा है, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में, लकड़ी का रावण, भूल गलती, एक आत्म वक्तव्य, चम्बल की घाटी में।

इकाई : 4

निर्धारित पाठ :

ख. कहानियां : ब्रह्मराक्षस का शिष्य, क्लाड इथरली, विपात्र (लम्बी कहानी)।

इकाई : 5

निर्धारित पाठ :

ग. आलोचनात्मक लेख/निबंध– साहित्यिक की डायरी, नयी कविता का आत्म संघर्ष, समाज और साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य का सौन्दर्य पक्ष, वस्तु और रूप (1 से 4 तक)

संदर्भ पुस्तकें :

अशोक चक्रधर	:	मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया
डॉ0 रामविलास शर्मा	:	नयी कविता और अस्तित्ववाद
नामवर सिंह	:	कविता के नये प्रतिमान
चंचल चौहान	:	मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब
नंदकिशोर नवल	:	मुक्तिबोध : कवि छवि
कृष्ण मोहन	:	मुक्तिबोध : स्वप्न और संघर्ष
राखी राय हाल्दार	:	आधुनिकता की भाषा और मुक्तिबोध
दिनेश कुमार	:	मुक्तिबोध : पुनर्पाठ

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
भारतेन्दु हरिश्चंद्र

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 560**

इकाई : 1

- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य के प्रवर्तक भारतेन्दु
- हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु
- भारतेंदु की भाषा नीति और हिन्दी–उर्दू विवाद
- समाज सुधार आन्दोलन और भारतेन्दु
- भारतेंदु मंडल और उसकी विशेषताएं

इकाई : 2

- भारतेन्दु का काव्य और उसकी प्रवृत्तियाँ (ब्रजभाषा काव्य, खड़ी बोली और उर्दू कवितायें)
- व्याख्या के निर्धारित पाठ : प्रेम सरोवर, बन्दर सभा, नए जमाने की मुकरी
  स्फुट रचना (ग़ज़ल–1) फिर आई फसले गुल फिर ज़ख्मदह रह रह के पकाते हैं...

इकाई : 3

- नाटककार भारतेन्दु
- हिन्दी रंगमंच के प्रवर्तन में भारतेन्दु की भूमिका
- भारतेन्दु के मौलिक और अनूदित नाटकों का संक्षिप्त परिचय
- निर्धारित पाठ– (अ) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (प्रहसन) (आ) अंधेर नगरी (नाटक)

इकाई : 4

- निबंधकार और पत्रकार भारतेन्दु
- भारतेन्दु द्वारा प्रवर्तित पत्र–पत्रिकाएं : कविवचन सुधा, हरिश्चंद्र चंद्रिका और बाला बोधिनी

- भारतेन्दु के कुछ प्रमुख निबंध और व्याख्यान : निर्धारित पाठ (अ) स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन (आ) भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ? (इ) नाटक, (ई) जातीय संगीत

इकाई : 5

- भारतेन्दु की ऐतिहासिक रचनाएं और पुरावृत्त संग्रह : एक परिचय
- भारतेन्दु के यात्रा–वृत्तान्त विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित पाठ (अ) वैद्यनाथ की यात्रा
- भारतेन्दु का आत्म–वृत्त– एक कहानी कुछ आप बीती कुछ जगबीती
- भारतेंदु के दस्तावेज– विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित पाठ (अ) एजुकेशन कमीशन एविडेंस ऑफ बाबू हरिश्चन्द्र

संदर्भ पुस्तकें :

भारतेन्दु समग्र, सम्पादक– हेमंत शर्मा, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन

भारतेंदु के विचार : एक पुनर्विचार– चंद्रभानु सीताराम सोनवणे

हरिश्चंद्र : भारतभूषण भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र का जीवन चरित– शिवानन्द सहाय, हिंदी समिति

The Nationalization of Hindu Traditions : Bharatendu Harischandra and Nineteenth-century Banaras- Vasudha Dalmia, Oxford University Press.

हिन्दी गद्य : विकास और विन्यास– रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन

Culture and Power in Banaras : Community, Performance and Environment- 1800-1980- Editor-Sandriya B. Frietag, University of California Press

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
प्रेमचंद

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 561**

इकाई 1

प्रेमचंद की जीवनी, रचनाएँ एवं विचारधारा : संक्षिप्त परिचय

प्रेमचंद की कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या : पंच परमेश्वर, स्वत्वरक्षा, सद्गति, ठाकुर का कुआँ, गुल्ली डंडा, ईदगाह, मनोवृत्ति, दूध का दाम, बड़े भाई साहब

इकाई 2

प्रेमचंद की कहानियों के हिंदी–उर्दू पाठ का तुलनात्मक अध्ययन
यही मेरा वतन है, रानी सारंधा, शतरंज के खिलाड़ी, मंत्र, पूस की रात, कफन

इकाई 3
प्रेमचंद का निबंध साहित्य : आलोचना एवं व्याख्या
देशी चीजों का प्रचार कैसे बढ़ सकता है, स्वदेशी आंदोलन, राणा प्रताप, पुराना जमाना नया जमाना, बच्चों को स्वाधीन बनाओ, साम्प्रदायिकता और संस्कृति, उर्दू हिंदी और हिंदुस्तानी, फिल्म और साहित्य, साहित्य का उद्देश्य, महाजनी सभ्यता

इकाई 4

रंगभूमि : आलोचना एवं व्याख्या

इकाई 5

कर्मभूमि : आलोचना एवं व्याख्या

संदर्भ पुस्तकें

1. अमृत राय, कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
2. अपूर्वानंद, यह प्रेमचंद हैं, सेतु प्रकाशन, नोयडा
3. आलोक राय, मुश्ताक अली, समक्ष प्रेमचंद की बीस उर्दू–हिंदी कहानियों का समांतर पाठ, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
4. इंद्रनाथ मदान, प्रेमचंद एक विवेचन, राधकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. इंद्रमोहन कुमार सिन्हा, प्रेमचंद युगीन भारतीय समाज, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
6. ओम अवस्थी, प्रेमचंद के नारी पात्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. कमल किशोर गोयनका, प्रेमचंद कहानी कोश, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. कमल किशेर गोयनका, प्रेमचंद की हिंदी–उर्दू कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
9. कमल किशोर गोयनका, प्रेमचंद विश्वकोश (खंड–1 एवं खंड–2), प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
10. कल्याणमल लोढा (सं.) प्रेमचंद परिचर्चा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. जाफर रजा, प्रेमचंद उर्दू–हिंदी कथाकार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. जाफर रजा, प्रेमचंद कहानी का रहनुमा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. जैनेन्द्र कुमार, प्रेमचंद एक कृती व्यक्तित्व, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
14. धर्मवीर, प्रेमचंद सामंत का मुंशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. नामवर सिंह, प्रेमचंद और भारतीय समाज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. प्रकाशचंद्र गुप्त, प्रेमचंद साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
17. मदन गोपाल, कलम का मजदूर प्रेमचंद राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. मार्कण्डेय, सत्यप्रकाश मिश्र (सं) प्रेमचंद की कहानियों का महत्त्व, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
19. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, रेखा अवस्थी (सं.) प्रेमचंद विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20. नंद दुलारे वाजपेयी, प्रेमचंद एक साहित्यिक विवेचन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
21. राजेंद्र कुमार, प्रेमचंद की कहानियाँ : परिदृश्य एवं परिप्रेक्ष्य
22. रामवक्ष, प्रेमचंद और भारतीय किसान वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
23 रामविलास शर्मा, प्रेमचंद, राधकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
24. रामविलास शर्मा, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
25. शिवकुमार मिश्र, कहानीकार प्रेमचंद रचना दृष्टि और रचना शिल्प, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
26. शिवरानी देवी, प्रेमचंद घर में आत्माराम एंड संस, दिल्ली रू
27. श्रीराम त्रिपाठी, प्रेमचंद एक तलाश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
28. सदानंद शाही, दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

रामचंद्र शुक्ल

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 562**

इकाई : 1

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : जीवन वृत्त एवं रचना–कर्म
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल से पूर्व हिंदी आलोचना, निबंध एवं हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की स्थिति

इकाई : 2

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की काव्य संबंधी आलोचना
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का रस–सिद्धान्त
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का परवर्ती हिंदी आलोचना पर प्रभाव

इकाई : 3

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी निबंध

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या

क. भाव या मनोविकार संबंधी निबंध : भाव या मनोविकार, उत्साह, लोभ और प्रीति, क्रोध

ख. आलोचनात्मक निबंध : काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था, साधारणीकरण, व्यक्ति–वैचित्र्यवाद, काव्य में रहस्यवाद

इकाई : 4

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी साहित्येतिहास–लेखन

- हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन और आचार्य शुक्ल की इतिहास दृष्टि
- शुक्लोत्तर इतिहास लेखन और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- आचार्य शुक्ल की इतिहास–दृष्टि की प्रासंगिकता

इकाई : 5

- आचार्य शुक्ल का स्फुट लेखन

संदर्भ पुस्तकें :

चंद्रशेखर शुक्ल : रामचन्द्र शुक्ल : जीवन और कृतित्व
रामविलास शर्मा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
रामचन्द्र शुक्ल : चिन्तामणि, भाग 1, भाग 2 और भाग 3–4
रामचन्द्र शुक्ल : विश्व प्रपंच
रामचन्द्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
नलिन विलोचन शर्मा : साहित्य का इतिहास–दर्शन
नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना
गुलाब राय, विजयेंद्र स्नातक : रामचन्द्र शुक्ल
नीलकांत : रामचन्द्र शुक्ल
दिनेश कुमार : रामचन्द्र शुक्ल
रामचन्द्र शुक्ल : रस–मीमांसा
रामचन्द्र शुक्ल : जायसी ग्रन्थावली
रामचन्द्र शुक्ल : तुलसीदास
रामचन्द्र शुक्ल : सूरदास

पत्रिकाएं :

रामचन्द्र शुक्ल विशेषांक – सम्मेलन पत्रिका, हिन्दुस्तानी

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
फणीश्वरनाथ रेणु

क्रेडिट : 04
कोड : HIN 590

इकाई 1

रेणु की जीवनी रचनाएँ एवं विचारधारा : संक्षिप्त परिचय
रेणु की कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या
रसप्रिया, तीसरी कसम अर्थात मारे गए गुलफाम, लाल पान की बेगम, ठेस, सिरपंचमी का सगुन, वंडरफुल स्टुडियो, रोमांस शून्य प्रेम कथा की भूमिका जलवा

इकाई 2
मैला आँचल : आलोचना एवं व्याख्या

इकाई 3
जुलूस : आलोचना एवं व्याख्या

इकाई 4
रिपोर्ताज : आलोचना एवं व्याख्या
बिदापत नाच, तीसरी कसम के सेट पर तीन दिन भूमिदर्शन की भूमिका पटना जल प्रलय, जनवरी की डायरी

इकाई 5

रेखाचित्र एवं संस्मरण : आलोचना एवं व्याख्या सुहैल अजीमाबादी भादुडीजी। जब भी कुछ लिखता हूँ उनकी याद आती है. अपने गाँव और पटना के बीच
निबंध : आलोचना एवं व्याख्या
राष्ट्र निर्माण में लेखक का सहयोग पतिआते हैं तो मानिए आचलिकता भी एक विधा है. उतरी स्वप्न परी—हरी क्रांति
नाटिका : आलोचना एवं व्याख्या
उत्तर नेहरू चरितम
साक्षात्कार : आलोचना एवं व्याख्या
बीमारों के देश में (रॉबिन शॉ पुष्प), आत्मसाक्ष्य (लोठार लुट्से)
संदर्भ पुस्तकें

गोपालकृष्ण प्रसाद फणीश्वरनाथ रेणु व्यक्तित्व काल और कृतियाँ
वंशीधर : हिंदी के आंचलिक उपन्यास
राजमल बोरा : हिंदी उपन्यास प्रयोग के चरण
देवेश ठाकुर : मैला आँचल की रचना प्रक्रिया
आलोक अशोक कुमार (स.) फणीश्वरनाथ रेणु सुजन और संदर्भ
कैलाशनाथ पांचे प्रमुख अचिलिक उपन्यास––संवेदनात्मक दृष्टि
भारत यायावर : रेणु का है अंदाजे–बयाँ और
भारत यायावर : रेणु–एक जीवनी
सुवास कुमार : आँचलिकता, यथार्थवाद और फणीश्वरनाथ रेणु
सियाराम तिवारी : हिंदी के आँचलिक उपन्यास
अल्पना तिवारी : रेणु की नारी दृष्टि
चंद्रभानु सोनवणे : कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु
नेमिचंद्र जैन : अधूरे साक्षात्कार
रामबुझावन सिंह, रामवचन राय रेणु–संस्मरण एवं श्रद्धांजलि
रॉबिन शॉ पुष्प : सोने की कलम वाला हीरामन
सुरेश चौधरी : फणीश्वरनाथ रेणु
कुसुम सोफट : मैला आँचल
कैथरीन हैंसेन : आंचलिक उपन्यास, आँचलिकता और फणीश्वरनाथ रेणु
पत्रिकाएँ : रेणु विशेषांक–आलोचना, संवेद, प्रयाग पथ, सृजन सरोकार

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
संत रैदास

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 588**

इकाई : 1

- भक्ति आन्दोलन का विकास एवं परिस्थितियां
- निर्गुण भक्ति : संत काव्यधारा, संत शब्द की व्युत्पत्ति, संत के लक्षण, संत काव्य के प्रमुख कवि और संत काव्य की प्रवृत्तियां
- दक्षिण और उत्तर भारत के संत- पारस्परिक संबंध

इकाई : 2

- संत रैदास का जीवन-वृत्त
- रैदास की सामाजिक चेतना
- रैदास की भक्ति-भावना
- रैदास की धार्मिक चेतना

इकाई : 3

- रैदास की नारी शिक्षा (झालीरानी और मीराबाई)
- रैदास और कबीर, रैदास और नामदेव
- रैदास : श्रम की गरिमा, रैदास के राम

इकाई : 4

- रैदासी सम्प्रदाय, रैदास का बेगमपुरा और अमृतदेश
- दलित धर्म की अवधारणा और रैदास, हिन्दू धर्म और रैदास, आजीवक रैदास, बौद्ध धर्म और रैदास
- रैदास परचई

इकाई : 5

- रैदास काव्य की व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ : डॉ. एन. सिंह, संत शिरोमणि रैदास और विचार, साखी संख्या 4,15, 19, ,42, 84, 85, 92, 105,106, 122, 155,158, 162, 163, 177, 181, 187, 205, 206, 207, 225, 226, 227 (कुल 24 साखियाँ)
- पद संख्या 3, 7, 18, 32, 35, 36, 45, 51, 52, 55, 65, 66, 78, 96, 119, 124, 140, 158, (कुल 18 पद)

सन्दर्भ-पुस्तकें

1. डॉ. एन. सिंह : संत शिरोमणि रैदास वाणी और विचार
2. धर्मपाल मैनी : भारतीय साहित्य के निर्माता रैदास
3. डॉ. रामकुमार अहिरवार : संत रविदास जीवन और दर्शन
4. डॉ. धर्मवीर : महान आजीवक कबीर, रैदास और गोसाल
5. श्याम सिंह : संत रैदास की मूल विचारधारा
6. इन्द्रराज सिंह : संत रविदास
7. परशुराम चतुर्वेदी : उत्तरी भारत की संत परम्परा
8. श्रीमती पद्मावती झुनझुनवाला : संत रैदास
9. गोविन्द रजनीश : रैदास रचनावली
10. डॉ. धर्मवीर : संत रैदास का निवर्ण सम्प्रदाय
11. योगेन्द्र सिंह : संत रैदास
12. डॉ. कन्हैया सिंह : पूर्वी उत्तर प्रदेश के संत कवि
13. कुलदीप कुमार : ऐसा चाहू राज मैं.... संत सिपाही रैदास
14. डॉ. हरिनारायण ठाकुर : दलित साहित्य का समाजशास्त्र
15. श्रीप्रकाश शुक्ल : राग रविदास

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर

12 वाँ प्रश्न – पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/ लेखक का विशेष अध्ययन)

महादेवी वर्मा

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 589

इकाई: 01

- महादेवी का जीवन परिचय एवं युगीन सन्दर्भ
- महादेवी का कृतित्व : काव्य एवं गद्य साहित्य
- दार्शनिक प्रभाव एवं विचारधारा
- छायावाद की वृहत्त्रयी और महादेवी वर्मा

इकाई: 02

- छायावादी काव्य आन्दोलन और महादेवी
- महादेवी का काव्य एवं काव्य प्रवित्तियां : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

  निर्धारित पाठ : 'यामा' संकलन की चयनित कविताएँ

  'संधिनी' संकलन की चयनित कविताएँ
- महादेवी की रहस्यानुभूति, आत्माभिव्यक्ति एवं आत्मप्रसार
- महादेवी के काव्य में गीति-तत्व
- काव्यकला एवं चित्रकला का अंतर्संबंध
- महादेवी के काव्य की आलोचना प्रक्रिया

इकाई: 03

- महादेवी का गद्य साहित्य : संस्मरण एवं रेखाचित्र (व्याख्या एवं आलोचना)

  संस्मरण – 'पथ के साथी' , 'मेरा परिवार' (कुल 4 पाठ)

  रेखाचित्र – 'अतीत के चलचित्र', 'स्मृति की रेखाएं' (कुल 4 पाठ)

इकाई: 04

- महादेवी का नारी सम्बन्धी लेखन : शृंखला की कड़ियां (व्याख्या एवं आलोचना)
- महादेवी का सांस्कृतिक लेखन : भारतीय संस्कृति के स्वर (केवल आलोचना)

इकाई: 05

- छायावाद युग की आलोचना में महादेवी का आलोचनात्मक हस्तक्षेप : महादेवी का आलोचना साहित्य (केवल आलोचना)
- ‘क्षणदा’, ‘सुखदा’ के निबंध
- ‘यामा’ , ‘दीपशिखा’ की भूमिकाएं
- ‘विवेचनात्मक गद्य’
- ‘साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध’
- महादेवी पर लिखित आलोचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन

सन्दर्भ

- नन्दकिशोर नवल -आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास
- परमानन्द श्रीवास्तव (सं.) – महादेवी
- गंगा प्रसाद पाण्डेय : महीयसी महादेवी
- रामजी पाण्डेय : परिचय इतना इतिहास यही
- दूधनाथ सिंह – महादेवी
- इंद्रनाथ मदान : महादेवी
- जगदीश गुप्त : महादेवी
- चंद्रा सदायत : लेखिकाओं की दृष्टि में महादेवी वर्मा
- अर्चना सिंह : महादेवी (विचार का आईना)
- निरंजन सहाय : महादेवी
- लीलाधर मंडलोई (सं.) – हिंदी कविता के सौ बरस
- प्रणय कृष्ण – उत्तर-औपनिवेशिकता के स्रोत और हिंदी साहित्य
- सूजी थारू और के. ललिता (सं.) - वीमेन राइटिंग इन इंडिया , 1993 (600 ईसा पूर्व से अब तक के भारतीय स्त्री लेखन के नमूनों का वृहत् संकलन)
- सुधा सिंह – ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ
- महादेवी वर्मा पर तद्भव पत्रिका में प्रकाशित सत्यप्रकाश मिश्र एवं मैनेजर पाण्डेय की आलोचनाएं

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर
13वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
हिन्दी पत्रकारिता

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 563**

इकाई : 1 - **पत्रकारिता एवं जनसंचार**

- पत्रकारिता की अवधारणा और उसके विविध रूप
- जनसंचार के रूप में पत्रकारिता
- हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

इकाई : 2 - हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास

- हिन्दी पत्रकारिता की विकास-यात्रा
- स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की हिन्दी पत्रकारिता
- स्वतंत्रता आंदोलन, हिन्दी पत्रकारिता और प्रतिबंधन
- हिन्दी की प्रमुख पत्रिकाएँ, संपादक एवं पत्रकार
  सरस्वती, प्रताप, माधुरी, चाँद, कर्मवीर, कल्पना, प्रतीक, धर्मयुग।
  महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेशशंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी, अज्ञेय, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती, राजेंद्र माथुर।

इकाई : 3 - पत्रकारिता - अभिव्यक्ति, विधि और आचार संहिता

- भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार
- मानवाधिकार एवं सूचना का अधिकार
- प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता
- प्रजातन्त्र में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व
- प्रेस से संबन्धित प्रमुख संस्थाएं

इकाई : 4 - व्यावहारिक पत्रकारिता

- समाचार निर्माण : समाचार के विभिन्न स्रोत, समाचार - संकलन तथा लेखन
- शीर्षकीकरण, आमुख और समाचार प्रस्तुति, कैप्शन, प्रूफ संशोधन, ले आउट एवं पृष्ठ सज्जा
- समाचार पत्रों में विभिन्न स्तंभों की योजना, समाचार की भाषा
- समपादकीय विभाग, उसके विविध अंग और कर्तव्य
- संवाददाता की अर्हता, उनकी श्रेणियाँ, कार्य पद्धति एवं नैतिक उत्तरदायित्व।

इकाई : 5 - पत्रकारिता: सृजनात्मक लेखन एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया

- पत्रकारिता से संबन्धित लेखन प्रविधियाँ - संपादकीय, रिपोर्ट, फीचर, साक्षात्कार, स्तम्भ लेखन, विज्ञापन लेखन।

- इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता - रेडियो, टेलिविजन, इंटरनेट की पत्रकारिता।
- पत्रकारिता और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे - वैश्वीकरण, बाजारवाद, विकास की अवधारणा, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, लोकतन्त्र, राष्ट्रवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि।

<u>संदर्भ पुस्तकें :</u>

अर्जुन तिवारी : हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास
असगर वजाहत, प्रभात रंजन : टेलीविजन लेखन
ओमकार चौधरी : खोजी पत्रकारिता
कृष्ण बिहारी मिश्र : हिन्दी पत्रकारिता
मीरा रानी बल : राष्ट्रीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता
पंकज बिष्ट, भूपेन सिंह : मीडिया, बाज़ार और लोकतंत्र
कमल दीक्षित, महेश दर्पण : समाचार संपादन
क॰पी॰ वेनराईट : जर्नलिज़्म
डी॰डी॰ ओझा : दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी
नन्दकिशोर त्रिखा : समाचार संकलन और लेखन
नन्दकिशोर त्रिखा : भेंटवार्ता और प्रेस कांफ्रेंस
मुश्ताक़ अली : व्यावहारिक पत्रकारिता
संतोष भदौरिया : शब्द प्रतिबन्ध, मेधा बुक्स, नई दिल्ली
दिलीप मंडल : मीडिया का अंडरवर्ल्ड, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
विनीत कुमार : मंडी में मीडिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
हरीश चन्द्र बर्णवाल : टेलीविज़न की भाषा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
आशुतोष पार्थेश्वर : हिन्दी विज्ञापनों का पहला दौर, अद्वैत प्रकाशन
धनंजय चोपड़ा : सिर्फ समाचार
डॉ श्याम कश्यप, मुकेश कुमार : टेलीविज़न की कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
13वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
प्रयोजनमूलक हिन्दी

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 564**

इकाई : 1

प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और परिव्याप्ति

- प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ
- प्रयोजनमूलक हिंदी, बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर
- प्रयोजनमूलक हिंदी के नामकरण की समस्या
- प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप
- प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा से उसके सम्बन्ध
- ई–लेखन के विविध आयाम– देवनागरी फाण्ट, यूनीकोड, राजभाषा–साफ्टवेयर

इकाई : 2

प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावहारिक स्वरूप

- टिप्पणी : स्वरूप एवं प्रकार
- संक्षेपण : अर्थ एवं प्रक्रिया
- प्रतिवेदन : अर्थ एवं विशेषताएं
- प्रारूपण : महत्व और विशेषताएं
- कार्यालयी पत्र के प्रकार – सरकारी (शासकीय पत्र), अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालयी आदेश, कार्यालयी ज्ञापन, पृष्ठांकन, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति एवं परिपत्र

इकाई : 3

कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति और उसका प्रयोग

- कार्यालयी हिन्दी : अर्थ एवं प्रकृति
- कार्यालयी हिन्दी : बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी से अंतर
- कार्यालयी हिन्दी की विशेषताएं
- कार्यालयी हिन्दी की निर्माण प्रक्रिया

- कार्यालयी हिन्दी की उपयोगिता एवं उसका महत्व

इकाई : 4

- पारिभाषिक शब्दावली : सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिचय
- पारिभाषिक शब्दावली : अभिप्राय और वर्गीकरण
- पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत
- पारिभाषिक शब्दावली : अनुवाद की समस्याएं
- प्रशासन और विधि संबंधी शब्दावली
- वाणिज्य संबंधी शब्दावली (बैंक, बीमा)

इकाई : 5

- अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार
- अनुवाद : अवधारणा और प्रक्रिया
- हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
- कार्यालयी हिन्दी एवं अनुवाद
- विज्ञापन में अनुवाद
- वाणिज्य में अनुवाद

संदर्भ पुस्तकें :

रामप्रकाश, दिनेश गुप्त : प्रयोजन मूलक हिंदी : संरचना और सिद्धान्त
दंगल झाल्टे : प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त और प्रयोग
मुश्ताक अली : प्रयोजनमूलक हिन्दी
कैलाश चंद्र भाटिया : कामकाजी हिंदी
कैलाश चंद्र भाटिया : प्रशासन में राजभाषा हिन्दी
हरिमोहन : प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पणी, प्रारूपण
कृष्ण कुमार गोस्वामी : व्यावहारिक हिंदी और रचना
सूरजभान सिंह : हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना
कुसुम अग्रवाल : भाषा शिल्प
वी0आर0 जगन्नाथन : हिन्दी प्रभाग और प्रयोग
रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : भाषाई अस्मिता और हिन्दी
प्रकाशन विभाग दिल्ली : राजभाषा हिन्दी

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
13वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
भारतीय प्रवासी एवं विस्थापित समाज (डायस्पोरा) का साहित्य

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 565**

इकाई : 1

भारतीय डायस्पोरा का ऐतिहासिक परिचय

व्यापार नेटवर्क, स्वतंत्र प्रवासन, सिद्धदोष प्रवासन,

अनुबंधित श्रमिक – गिरमिटिया, कंगनी और मैस्त्री

स्वातंत्र्योत्तर काल में प्रवासन

इकाई : 2

भाषा अनुरक्षण, भारतीय बोली समूह का क्रिओल, पिजिन तथा कोईन बनावट का प्रभाव, ओ0बी0एच0, (समुद्रपारीय भोजपुरी हिंदी) सरनामी, कलकतिया बात, नाताली हिंदी, पुरनिया हिंदी, फिजी हिंदी, त्रिनिदाद भोजपुरी का परिचय, भारतीय डायस्पोरा में हिंदी भाषा।

इकाई : 3

लोक साहित्य, कविता, कहानी एवं उपन्यास

गिरमिटिया विमर्श, स्त्री विमर्श

इकाई : 4

डायस्पोरा पर भारतीय लेखक

भारतीय मूल के लेखक

क. सूरीनाम, फिजी एवं मारीशस

ख. यूरोप एवं अमेरिकी

गैर–भारतीय लेखकों द्वारा सृजित भारतीय डायस्पोरा साहित्य

इकाई : 5

पाठ आधारित समझ (हिंदी डायस्पोरा लेखक)

क. फिजी द्वीप में मेरे इक्कीस वर्ष : तोताराम सनाढ्य

ख. लाल पसीना : अभिमन्यु अनत

ग. डउका पुरान : सुब्रमनी

घ. पूछो इस माटी से : रामदेव धुरंधर

ङ कमला प्रसाद शर्मा का लेखन

संदर्भ पुस्तकें :

- गौतम मोहनकांत (2015), कैरेबियन देशों में हिंदी भाषा और समाज, बहुवचन, अंक–46, जुलाई–सितंबर–2015
- अवस्थी, पुष्पिता (2014), सूरीनाम का सृजनात्मक साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- मिश्र, विजय (2007), द लिटरेचर ऑफ द इंडियन डायस्पोरा : थ्योराइजिंग द डायस्पोरिक इमेजनरी, रुले पब्लिशिंग
- सुब्रमनी (2001), डउका पुरान, स्टार पब्लिकेशंस, नई दिल्ली
- ह्यू टिंकर (1974), ए न्यू सिस्टम ऑफ स्लेवरी : द एक्सपोर्ट ऑफ इण्डियन लेबर ओवरसीज, 1830–1920
- तोराबुली, खल एवं मरीना कार्टर (2002), कुलीट्यूड : एन एंथालोजी ऑफ द इंडियन लेबर डायस्पोरा, एंथम प्रेस

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

14वाँ प्रश्न पत्र

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा (इतिहास एवं सिद्धांत)

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 522**

इकाई : 1

- भाषा विज्ञान – परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की उत्पत्ति
- भाषा विज्ञान की शाखाएँ
- ध्वनि विज्ञान : ध्वनियों का वर्गीकरण और विशेषताएं
  स्वनिम् विज्ञान एवं स्वनिम प्रक्रिया, ध्वनि परिवर्तन

इकाई : 2

- रूप विज्ञान (पद विज्ञान) शब्द एवं रूप
- वाक्य विज्ञान, वाक्य रचना, वाक्य परिवर्तन
- शब्दार्थ संबंध
- अर्थ परिवर्तन के कारण

इकाई : 3

- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का अति संक्षिप्त परिचय
- अपभ्रंश, अवहट्ट तथा पुरानी हिन्दी की तुलनात्मक विशेषताएँ
- हिन्दी की उपभाषाओं का संक्षिप्त परिचय
- अवधी, ब्रज, खड़ी बोली, भोजपुरी, कुमाउँनी, मारवाड़ी आदि हिन्दी बोलियों की संक्षिप्त विशेषताएँ

इकाई : 4

- काव्य भाषा के रूप में अवधी, ब्रज, खड़ीबोली का विकास
- मानक हिन्दी का व्याकरण

इकाई : 5

- देवनागरी लिपि का ऐतिहासिक विकास क्रम

- देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं व्यावहारिकता

संदर्भ पुस्तकें :

रामचन्द्र शुक्ल : बुद्धचरित की भूमिका (चिन्तामणि भाग–3)

सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी

दीप्ति शर्मा : व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

धीरेन्द्र वर्मा : हिन्दी भाषा का इतिहास

उदयनारायण तिवारी : हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास

हरदेव बाहरी : हिन्दी भाषा : उद्‌भव, विकास और रूप

माताबदल जायसवाल : मानक हिन्दी का ऐतिहासिक व्याकरण

यमुना काचरू : हिन्दी का समसामयिक व्याकरण

रामकिशोर शर्मा : हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

शैल पाण्डेय : हिन्दी क्रियाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन

आर्येन शर्मा : बेसिक ग्रामर ऑफ मार्डन हिन्दी

अनन्त चौधरी : हिन्दी व्याकरण का इतिहास

मलिक मुहम्मद : हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ

विमलेश कान्त वर्मा : राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम

मीरा दीक्षित : हिन्दी भाषा

मीरा दीक्षित : भाषा विज्ञान के सिद्धान्त

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
15वाँ प्रश्न पत्र
निबंध : साहित्यिक एवं साहित्येतर

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 523**

इकाई : 1

- निबंध क्या है ? भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण
- निबंध : उद्भव और विकास
- निबंध की प्रमुख विशेषताएं
- निबंध लेखन कला

इकाई : 2

साहित्यिक निबंध

- हिन्दी के विभिन्न साहित्यिक आंदोलन (कहानी और कविता के संदर्भ में)
- विचारधाराएं (भारतीय और पाश्चात्य)
- मानव मूल्य और साहित्य
- साहित्य और संस्कृति
- साहित्य और समाज
- साहित्य और विज्ञान
- साहित्य का उद्देश्य
- परम्परा और आधुनिकता
- अस्मितामूलक विमर्श

इकाई : 3

साहित्येतर निबंध

- भारत की आंतरिक व बाहरी समस्याएं
- पर्यावरण संकट
- प्राकृतिक आपदाएं

- आतंकवाद, भ्रष्टाचार, साम्प्रदायिकता
- सामाजिक एवं आर्थिक विषमता
- वैश्वीकरण और भाषा के प्रश्न
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा और सम्पर्क भाषा हिन्दी
- मिथक और इतिहास

इकाई : 4

- मीडिया और साहित्य
- मीडिया और समाज
- भारतीय राजनीति और लोकतंत्र
- भारतीय विविधता और राष्ट्रीय एकता
- भारतीय मीडिया और लोकतंत्र
- भारत का वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास

इकाई : 5

- भारतीयता और भारतीय सभ्यता
- संस्कृति और सभ्यता
- शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन
- जैव विविधता
- कृत्रिम बौद्धिकता
- धर्म और राजनीति
- टैगोर का मानवतावाद
- गाँधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा
- राष्ट्रवाद और भारतीय चिंतन
- महामारी (कोरोना) और साहित्य

संदर्भ पुस्तकें :

हिन्दी के साहित्यिक निबंध– गणपति चंद्र गुप्त

राष्ट्रवाद – रवीन्द्रनाथ टैगोर

भारतनामा – सुनील खिल्लानी

इतिहास और राष्ट्रवाद– वैभव सिंह

राष्ट्रवाद बनाम देशभक्ति : इयत्ता की राजनीति और रवीन्द्रनाथ टैगोर– आशीष नंदी, अनुवाद– अभय कुमार दुबे

ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ– सुधा सिंह

मीडिया बाजार और लोकतंत्र – सं. पंकज बिष्ट, भूपेन सिंह

साम्प्रदायिकता, आतंकवाद और जन माध्यम – जगदीश्वर चतुर्वेदी

गाँधीवाद रहे न रहे – राजीव रंजन गिरि

धर्मनिरपेक्षता बनाम राष्ट्रीय संस्कृति – कुबेरनाथ राय

कोरोना काल और साहित्य चेतना – कल्पना वर्मा

महामारी और कविता – श्रीप्रकाश शुक्ल

पत्रिकाएं :

आलोचना, तद्भव, प्रतिमान, बहुवचन, अनहद (गांधी विशेषांक), सृजन सरोकार (गांधी विशेषांक)

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

16वाँ प्रश्न पत्र

छायावादोत्तर काव्य (प्रगतिवाद से समकालीन तक)

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 524**

इकाई : 1

- छायावादोत्तर कविता : पृष्ठभूमि और परिदृश्य
- प्रगतिवादी काव्य आंदोलन एवं प्रवृतियां

निर्धारित कविताएं : व्याख्या और आलोचना

शमशेर बहादुर सिंह – अमन का राग

नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, प्रतिबद्ध हूँ

केदारनाथ अग्रवाल – जो जीवन की धूल चाटकर बड़ा हुआ है, हथौड़े का गीत

रघुवीर सहाय – रामदास, हंसो–हंसो जल्दी हंसो

इकाई : 2

- प्रयोगवाद अज्ञेय और तारसप्तक
- **असाध्यवीणा :** व्याख्या और मूल्यांकन

इकाई : 3

- नई कविता का आत्मसंघर्ष और मुक्तिबोध
- **ब्रह्मराक्षस** की व्याख्या और आलोचना
- हिन्दी कविता का साठोत्तरी परिदृश्य और धूमिल
- **पटकथा** : व्याख्या और आलोचना

इकाई : 4

- **कुँवर नारायण का काव्य** : आलोचना और व्याख्या

निर्दिष्ट कविताएं : चक्रव्यूह, वाजश्रवा, नचिकेता, अमीर खुसरो,
एक अजीब–सी मुश्किल

इकाई : 5

- **विजयदेव नारायण साही** की कविताएं : आलोचना और व्याख्या
  अस्पताल में, सत की परीक्षा, प्रार्थना गुरु कबीरदास के लिए
- **केदारनाथ सिंह** की कविताएं : आलोचना और व्याख्या
  आवाज, अकाल में सारस, कुदाल, घोसलों का इतिहास, मतदान केन्द्र पर झपकी

संदर्भ पुस्तकें :

मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध

अज्ञेय : तारसप्तक की भूमिका

चंचल चौहान : मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब

अशोक चक्रधर : मुक्तिबोध की समीक्षाई

अशोक चक्रधर : मुक्तिबोध की कविताई

नंदकिशोर नवल : आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास

शम्भुनाथ : कवि की नई दुनिया

पंकज चतुर्वेदी : जीने का उदात्त आशय, संदर्भ : कुँवर नारायण की कविता

पुरुषोत्तम अग्रवाल (संपा0) : कुँवर नारायण

राजेन्द्र कुमार : कविता का समय असमय

शिवकुमार मिश्र : आधुनिक कविता और युग संदर्भ

संतोष भदौरिया, नरेन्द्र पुंडरीक : केदारनाथ अग्रवाल कविता का लोक आलोक

हितेश कुमार सिंह : अज्ञेय होने का अर्थ

रंजना अरगड़े : कवियों के कवि शमशेर

रमन सिन्हा : शमशेर की कविता

खगेन्द्र ठाकुर : नागार्जुन का कवि कर्म

विजय बहादुर सिंह : नागार्जुन अनभिजात का क्लासिक

अजय तिवारी : नागार्जुन की कविता

युगों का यात्री : नागार्जुन : तारानन्द वियोगी

कमलानन्द झा : नागार्जुन : दबी दूब का रूपक

सत्यप्रकाश मिश्र, विनोद तिवारी : विजयदेव नारायण साही

अनिल त्रिपाठी : नयी कविता और विजयदेव नारायण साही
अनिल त्रिपाठी : मिट्टी की रोशनी (केदारनाथ सिंह पर केन्द्रित)
संध्या सिंह, रचना सिंह (सं.) : केदारनाथ सिंह : स्मृति में जीवन
विजय कुमार : असहमति में उठा हाथ (रघुवीर सहाय की जीवनी)
पंकज चतुर्वेदी : रघुवीर सहाय

पत्रिकाएं

चौपाल और साखी (केदारनाथ सिंह विशेषांक), सृजन सरोकार (विजयदेव नारायण साही विशेषांक), वर्तमान साहित्य (विजयदेव नारायण साही से संबंधित लेख)

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
भक्तिकाव्य

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 572**

इकाई : 1

- भक्ति आंदोलन की सामाजिक, धार्मिक, दार्शनिक तथा आध्यात्मिक पृष्ठभूमि
- निर्गुण एवं सगुण भक्ति धाराओं का विकास

इकाई : 2

- भारतीय लोक जीवन और संत काव्य परम्परा
- प्रमुख संत कवियों की रचनाओं का सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मूल्यांकन
- निर्धारित रचनाएं–

  क. कबीर (कबीर ग्रन्थावली– संपा0 पारसनाथ तिवारी)

  पद संख्या– 8, 10, 29, 41, 50, 52, 54, 58, 62, 65, 78, 83, 91, 104, 106, 107, 109, 154, 166, 201 कुल पद 20।

  रमैनी– 2, 3, 7 कुल 3 रमैनियां।

  साखी– प्रेम विरह कौ अंग– कुल 20 साखी।

  ख. रैदास (परशुराम चतुर्वेदी संपादित संत काव्य संग्रह– में संग्रहीत समस्त 10 पद तथा 3 साखियां)

  ग. दादू दयाल (परशुराम चतुर्वेदी संपादित संत काव्य संग्रह– में संग्रहीत समस्त 10 पद तथा 10 साखियां)

इकाई : 3

- भारतीय प्रेमाख्यानक काव्य
- संत और सूफी मत का वैचारिक अन्तःसंबंध
- निर्धारित रचनाएं :

क. कुतुबन– मृगावती (बारहमासा खंड)

ख. जायसी– पद्मावत (नख शिख खण्ड)

इकाई : 4

- वैष्णव आचार्य परंपरा और बल्लभाचार्य
- शुद्धाद्वैत दर्शन एवं पुष्टिमार्गीय भक्ति
- कृष्णकाव्य धारा का सांस्कृतिक तथा साहित्यिक मूल्यांकन
- निर्धारित रचनाएं :

क. सूरदास– (पांचवां संवाद) पद संख्या 126–145 (20 पद) सूरसागर सार– (संपा0) डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा

ख. नन्ददास– 'रासपंचाध्यायी' (पांचवां सर्ग)

ग. मीराँबाई – प्रारंभ के 10 पद (सं. परशुराम चतुर्वेदी)

घ. रसखान– आलोचनात्मक मूल्यांकन

इकाई : 5

- रामभक्ति धारा : स्रोत एवं परम्परा
- रामभक्ति धारा के दार्शनिक एवं भक्तिपरक सिद्धान्त
- रामभक्ति धारा का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मूल्यांकन
- निर्धारित रचनाएं :

क. विनयपत्रिका– व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
(पद संख्या– 111, 115, 124, 160, 162, 163, 168, 169, 174, 198, कुल पद 10)
रामचरितमानस– आलोचनात्मक मूल्यांकन

- भक्तिकाव्य का समग्र मूल्यांकन
- परवर्ती साहित्य को भक्ति काव्य का अवदान

संदर्भ पुस्तकें :

रामचन्द्र शुक्ल	:	त्रिवेणी
नामवर सिंह	:	दूसरी परम्परा की खोज
प्रेमशंकर	:	भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	भक्तिकाव्य यात्रा
आशा गुप्ता	:	भक्ति सिद्धान्त
ब्रजेश्वर वर्मा	:	सूरदास
रामचंद्र तिवारी	:	कबीर मीमांसा
हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	कबीर
रामचंद्र शुक्ल	:	तुलसीदास
विजयदेव नारायण साही	:	जायसी
शिवकुमार मिश्र	:	भक्तिकाव्य और लोकजीवन
रामचंद्र शुक्ल	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
अतहर अब्बास रिजवी	:	सूफीज्म इन इण्डिया
रामविलास शर्मा	:	भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास
अजय तिवारी (संपा0)	:	तुलसी का महत्त्व
रमेश कुंतल मेघ	:	तुलसी आधुनिक वातायन से
धर्मवीर	:	कबीर के आलोचक
धर्मवीर	:	कबीर के कुछ और आलोचक
धर्मवीर	:	कबीर : खसम खुशी क्यों होय ?
कुँवरपाल सिंह (संपा0)	:	भक्ति आंदोलन और इतिहास और संस्कृति
सुधा सिंह (संपा0)	:	मध्यकालीन साहित्य विमर्श
कुंमकुम संगारी	:	मीराबाई और भक्ति की आध्यात्मिक अर्थनीति
गोपेश्वर सिंह	:	भक्ति आंदोलन और काव्य

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
छायावादयुगीन साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 574**

इकाई : 1

- छायावाद : अर्थ, प्रयोग और प्रवृतियां
- हिन्दी नवजागरण और छायावाद
- छायावाद की सौन्दर्य चेतना

इकाई : 2

- **प्रसाद**– प्रसाद की रचनाएं, प्रसाद का जीवन दर्शन, समरसता और आनंदवाद
- **'कामायनी'** आलोचना और व्याख्या

  चिन्ता, श्रद्धा, लज्जा, इड़ा, आनन्द सर्ग
- **निर्धारित रचनाएं**– आंसू, लहर (बीती विभावरी जाग री, ले चल मुझे भुवाला देकर,)

इकाई : 3

- **निराला** का जीवन वृत्त एवं युग बोध
- मुक्त छंद और निराला
- **निर्धारित रचनाएं**– जुही की कली, जागो फिर एक बार (1, 2), कुकुरमुत्ता, सरोज स्मृति (राग विराग– संकलन– रामविलास शर्मा)

इकाई : 4

- **पंत** की काव्य यात्रा– प्रकृति चित्रण, प्रगतिवाद, मानवतावाद
- **निर्धारित रचनाएं**– प्रथम रश्मि, बादल, मौन निमंत्रण (आधुनिक कवि – पंत– हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)
- **महादेवी वर्मा** : गीति तत्व और रहस्यवादी चेतना
- **निर्धारित रचनाएं**– विरह का जलजात जीवन, मैं नीर भरी दुःख की बदली, (महादेवी संचयन : संपा0 निर्मला जैन)

- **छायावाद युग का गद्य** : आलोचनात्मक परिचय

  तितली, काव्य कला और अन्य निबंध (प्रसाद)

  चतुरी चमार, परिमल की भूमिका (निराला)

  छायावाद : पुनर्मूल्यांकन (पंत)

  शृंखला की कड़िया (महादेवी)

इकाई : 5

- छायावाद : शक्ति काव्य
- **छायावाद के आलोचक**– मुकुटधर पाण्डेय, शांतिप्रिय द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी

संदर्भ पुस्तकें

नामवर सिंह	:	छायावाद
रमेशचंद्र शाह	:	छायावाद : पुनर्मूल्यांकन
देवराज	:	छायावाद : उत्थान, पतन, पुनर्मूल्यांकन
रघुवंश	:	साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	हिंदी कविता यात्रा : रत्नाकर से रघुवीर सहाय तक
नंददुलारे वाजपेयी	:	जयशंकर प्रसाद
गजानन माधव मुक्तिबोध	:	कामायनी : एक पुनर्विचार
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	कामायनी का पुनर्मूल्यांकन
गिरिजा राय	:	कामायनी की आलोचना प्रक्रिया
रामविलास शर्मा	:	निराला की साहित्य साधना, तीन–खण्ड
दूधनाथ सिंह	:	निराला : आत्महंता आस्था
नगेन्द्र	:	सुमित्रानन्दन पंत
शांतिप्रिय द्विवेदी	:	ज्योति विहग
परमानन्द श्रीवास्तव (संपा0)	:	महादेवी
दूधनाथ सिंह	:	महादेवी
गोपाल प्रधान	:	छायावादयुगीन साहित्यिक विवाद
कुमार वीरेन्द्र	:	छायावादयुगीन कविता पुस्तक समीक्षा
प्रभाकर श्रोत्रिय	:	जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता
रमेश चन्द्र साह	:	छायावाद की प्रासंगिकता
प्रेमशंकर	:	स्वछन्दतावादी काव्य

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
समकालीन हिन्दी साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 575**

इकाई : 1

- 'समकालीनता' का अर्थ, प्रसार, काल– निर्धारण एवं नामकरण
- आधुनिकता और समकालीनता
- नेहरू युग की समाप्ति के बाद का राजनीतिक परिदृश्य – भारत–पाकिस्तान युद्ध, आपातकाल, आर्थिक उदारीकरण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, अस्मितावादी राजनीति
- समकालीन कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ
- लघुपत्रिकाओं की भूमिका और समकालीन साहित्य

इकाई : 2

- समकालीन हिन्दी कविता के कथ्य और शिल्प में रघुवीर सहाय, केदारनाथ सिंह और धूमिल का योगदान
- **निर्धारित रचनाएं/रचनाकार** : व्याख्या और आलोचना
  सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : भेड़िया –1, भेड़िया –2, भेड़िया –3, जंगल का दर्द
  विनोद कुमार शुक्ल : रायपुर बिलासपुर संभाग
  चन्द्रकांत देवताले : शब्दो की पवित्रता के बारे में, मेरी किस्मत में यही अच्छा रहा, ट्रकों में बकरों की लदान
  विष्णु खरे : टेबिल, लड़कियों के बाप, लालटेन जलाना

इकाई : 3

समकालीन हिन्दी कविता के आठवें एवं नवें दशक के कवि

अशोक वाजपेयी– पथहारा वक्तव्य, मौत की ट्रेन में दिदिया

राजेश जोशी– बिजली सुधारने वाले, उसके स्वप्न में जाने का यात्रा–वृतांत, बच्चे काम पर जा रहे है, अहद होटल
आलोक धन्वा – भागी हुई लड़कियॉ
वीरेन डंगवाल– इतने भले नही बन जाना साथी, हमारा समाज, उजले दिन जरूर आयेगें
मंगलेश डबराल– संगतकार, घर, पागलों का एक वर्णन
हरीश चन्द्र पाण्डेय – शमशान घाट पर, बैठक का कमरा, कछार–कथा
अष्टभुजा शुक्ल – पद कुपद (पद संख्या –1,3,4,5,9)
अनामिका – स्त्रियाँ, दरवाजा, मौसियाँ

इकाई : 4

- समकालीन हिंदी कहानी की मुख्य प्रवृत्तियां और कहानी आंदोलन
- कहानी : तिरिया चरित्तर – शिवमूर्ति, गौरी का गुस्सा – स्वयं प्रकाश, छप्पन तोले का करघन–उदय प्रकाश, फैसला – मैत्रेयी पुष्पा, चिट्ठी– अखिलेश,
- समकालीन हिन्दी उपन्यास : झीनी–झीनी बीनी चदरिया– अब्दुल बिस्मिल्ला, गायब होता देश– रणेन्द्र

इकाई : 5

आत्मकथा, जीवनी एवं नाटक

आत्मकथा– मुर्दहिया (तुलसीराम)

जीवनी –व्योमकेश दरवेश (विश्वनाथ त्रिपाठी)

नाटक– कोर्ट मार्शल (स्वदेश दीपक)

संदर्भ पुस्तकें

अज्ञेय	:	आत्मनेपद, सर्जना और संदर्भ
रघुवीर सहाय	:	लिखने का कारण
नामवर सिंह	:	कविता के नये प्रतिमान
मुक्तिबोध	:	नयी कविता का आत्म संघर्ष
मलयज	:	कविता से साक्षात्कार
मार्कण्डेय	:	कहानी की बात
देवीशंकर अवस्थी	:	नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति
राजेन्द्र यादव	:	कहानी : शिल्प और संवेदना
रामदरश मिश्र	:	हिंदी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा
निर्मला जैन	:	आधुनिक हिन्दी काव्य : रूप और संरचना
नेमिचंद जैन	:	रंगदर्शन
सुरेश शर्मा	:	रघुवीर सहाय का कविकर्म
हुकुमचन्द राज्यपाल	:	समकालीन बोध और धूमिल का काव्य
परमानन्द श्रीवास्तव	:	समकालीन कविता का यथार्थ
जे0बी0 कृपलानी	:	गांधी : जीवन और चिन्तन
फ्रायड	:	मनोविश्लेषण
राहुल सांकृत्यायन	:	कार्ल मार्क्स
विजय मोहन सिंह	:	आज की कहानी
राजेन्द्र कुमार	:	साहित्य में सृजन के आयाम और विज्ञानवादी दृष्टि

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 576

इकाई : 1

- नारीवाद एवं स्त्री विमर्श : सिद्धान्त और अवधारणाएँ
- नारीवाद और जेण्डर–विमर्श
- स्त्रीमुक्ति आंदोलन/नारीवादी आंदोलन : ऐतिहासिक विकास, प्रमुख मुद्दे
- मार्क्सवादी चिंतन में स्त्री–मुक्ति की अवधारणा
- स्त्रीवादी/स्त्रीमुक्ति की समकालीन (उत्तर–आधुनिक, उत्तर–औपनिवेशिक) अवधारणाएँ

इकाई : 2

- मध्यकालीन साहित्य में स्त्री–स्वर
- नवजागरण कालीन साहित्य में स्त्री–प्रश्न और स्त्री लेखन
- स्त्री पत्रकारिता– प्रमुख पत्रिकाएँ, मुख्य प्रश्न, आधुनिक स्त्री वैचारिकी का निर्माण
- प्रगतिशील साहित्य में स्त्री–मुक्ति का प्रश्न
- समकालीन लेखन में स्त्री की उपस्थिति और उनका साहित्य

इकाई : 3

- कविता में स्त्री और स्त्री की कविता
- स्त्रीवादी कविता की काव्यभाषा, मुहावरा
- लेकगीतों में स्त्री
- स्त्रीवादी काव्य की अंतर्वस्तु और विचारधारा
- **निर्धारित कविताएँ–** (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन हेतु) मीराँबाई – पद सं. 17,25,32,33,34,36,38,44,55,73 (कुल 10 पद, मीराँबाई की पदावली – सं. परशुराम चतुर्वेदी), नहीं हो सकता तेरा भला, हाकी खेलती लड़कियाँ (कात्यायनी), स्त्रियाँ, एक औरत का पहला राजकीय प्रवास (अनामिका), क्या तुम जानते हो, बिटिया मुर्मू के लिए (03 कविताए)

पाठ्यपुस्तक : 'बीसवीं सदी का हिंदी महिला लेखन : उत्तरार्द्ध की कविताएँ', में संकलित संपा0– अनामिका, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

इकाई : 4

- कथा की औरतें और औरत की उत्तरकथा
- स्त्री की आत्मकथा : आत्म के साथ समाज की कथा

- स्त्री जीवन के संघर्ष का महाख्यान : स्त्री का उपन्यास लेखन
- निर्धारित पाठ (आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या हेतु)–

  कहानियाँ : कील और कसक – मन्नू भंडारी, मीरा नाची – मृदुला गर्ग, फाँस– मनीषा कुलश्रेष्ठ, फेसला – मैत्रेयी पुष्पा, नई हुकूमत – नासिरा शर्मा, कयामत के दिन उर्फ कब्र के बाहर – जया जादवानी

  उपन्यास : खेला – नीलाक्षी सिंह

  आत्मकथा : अन्या से अनन्या – प्रभा खेतान

इकाई : 5

- स्त्रीवादी लेखन की वैचारिकी का विकास
- समाज और पुरुष को देखने की स्त्री–दृष्टि
- स्त्री–वैचारिकी में धर्म–स्त्री की स्वाधीनता को बाँधने वाली जंजीर
- निर्धारित पाठ (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन हेतु) :
  स्त्री पुरुष तुलना– ताराबाई शिंदे, शृंखला की कड़ियाँ – महादेवी वर्मा

संदर्भ पुस्तकें :

साधना आर्य, निवेदिता मेनन,
जिनी लोकनीता : नारीवादी राजनीति : संघर्ष एवं मुद्दे
शुभ्रा परमार : नारीवादी सिद्धांत और व्यवहार
गोपा जोशी : भारत में स्त्री असमानता : एक विमर्श
जॉन स्टुअर्ट मिल : स्त्रियों की पराधीनता
मल्लिका सेनगुप्त : स्त्रीलिंग निर्माण
सीमोन द बोउवा : स्त्री उपेक्षिता
अर्चना वर्मा : अस्मिता विमर्श का स्त्री स्वर
अनामिका : स्त्री विमर्श की उत्तर गाथा
अनामिका : स्त्री विमर्श का लोकपक्ष
सुधा सिंह : ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ
संपा0 सुधा सिंह : स्त्री अस्मिता : साहित्य और विचारधारा
सुनंदा पराशर : हिंदी नवजागरण और स्त्री अस्मिता
सुमन राजे : हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
स्त्रीत्व से हिंदुत्व तक : चारु गुप्ता
संपा0 राजकिशोर : स्त्री : परंपरा और आधुनिकता
रेखा कस्तवार : स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ
प्रभा खेतान : बाजार के बीच : बाजार के खिलाफ
संपा0 लालसा यादव : स्त्री विमर्श की कहानियाँ
मैत्रेयी पुष्पा : तब्दील निगाहें
सुजाता : आलोचना का स्त्री पक्ष

पत्रिकाएं –

वर्तमान साहित्य (नवजागरण कालीन स्त्री कविता विशेषांक, समकालीन महिला लेखन महाविशेषांक)

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

दलित विमर्श और हिन्दी साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 577**

इकाई : 1

वैचारिकी एवं सौन्दर्यशास्त्र

- दलित विमर्श एवं साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्रोत : आजीवक परंपरा एवं संत आन्दोलन, स्वामी अछूतानन्द हरिहर का आदिधर्मी आन्दोलन, अम्बेडकर और कांशीराम के आन्दोलन तथा डॉ. धर्मवीर की चिन्तन प्रक्रिया
- उत्तर आंबेडकर दलित चिंतन : प्रमुख संदर्भ बिन्दु
- दलित साहित्य की अवधारणा, उद्भव एवं विकास की परम्परा, समाजशास्त्र, सौन्दर्य दृष्टि, अध्ययन और आलोचना
- हिन्दी साहित्य में दलित : निराला, प्रेमचंद, नागार्जुन और राहुल सांकृत्यायन का दलित विषयक लेखन
- दलित प्रश्न और हिन्दुवाद, गांधीवाद और मार्क्सवाद
- दलित साहित्य एवं चिंतन में स्त्री और दलित स्त्री
- स्वतंत्र भाषा एवं सौन्दर्यशास्त्र का प्रश्न

इकाई : 2

कविताएँ

- हिन्दी दलित कविता की पृष्ठभूमि अस्मिता का संघर्ष, विषयवस्तु, इतिहास बोध, सौंदर्य दृष्टि और काव्य भाषा एवं शिल्प
- व्याख्या और आलोचना हेतु **निर्धारित कविताएँ :**
  ओम प्रकाश वाल्मीकि – पेड, ठाकुर का कुआँ, सदियों का संताप, आदिम रूप, अब और नहीं, शब्द झूठ नहीं बोलते,
  मलखान सिंह – मुझे गुस्सा आना है, हमारे गाव में
  डॉ. धर्मवीर – किनारे भी मझधार भी
  जयप्रकाश लीलवन – कामरेड से बातचीत, जनपथ
  श्योराज सिंह बेचैन – बहनों से बोलो, चमार की चाय, नीच नहीं अलग जाति हैं हम
  कँवल भारती – जब तक व्यवस्था जीवित है
  कावेरी – प्रेरणा, खाइयाँ
  स्वामी अछूतानंद हरिहर – मनु के प्रति
  हीरा डोम – अछूत की शिकायत

इकाई : 3

उपन्यास

- **दलित उपन्यास**– संदर्भ और विषय वस्तु की नवीनता, संवेदना और शिल्प का वैशिष्ट्य, सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकार, औपनिवेशिक भाषा एवं शिल्प
- व्याख्या और आलोचना हेतु निर्धारित उपन्यास
  डॉ. धर्मवीर – पहला खत

इकाई : 4

कहानियाँ

- **दलित कहानी** : उद्भव और विकास, संवेदना एवं कथावस्तु की नवीनता, कथा भाषा एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य
- व्याख्या और आलोचना हेतु निर्दिष्ट कहानियाँ– ओमप्रकाश वाल्मीकि– घुसपैठिये, श्योराज सिंह बेचैन– हाथ तो उग ही आते हैं, मोहनदास नैमिषराय– अपना गाँव, सूरजपाल चौहान– बदबू, प्रेम कपाडिया– हरिजन, विपिन कुमार– कंघा, अजय नावरिया– पटकथा, प्रेमचंद– कफ़न, राम निहोर विमल–अब नहिं नाचब, रत्न कुमार सांभरिया–फुलवा, राजेश कुमार बौद्ध – आतंक
- नाटक– सुनो कामरेड (केवल आलोचना)

इकाई : 5

आत्मकथाएं (केवल आलोचना)

- हिन्दी दलित आत्मवृत्त/आत्मकथाएँ– दलित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक जीवन के दस्तावेज
- आलोचनात्मक अध्ययन हेतु निर्दिष्ट आत्मकथाएं– कौशल्या नंदिनी बैसंत्री– दोहरा अभिशाप, श्यौराज सिंह बेचैन– मेरा बचपन मेरे कंधों पर, धर्मवीर– मेरी पत्नी और भेड़िया, तुलसीराम– मणिकर्णिका
- हिन्दी की दलित पत्रकारिता

संदर्भ पुस्तकें :

कँवल भारती : दलित विमर्श की भूमिका
कँवल भारती : दलित कविता का संघर्ष
कँवल भारती : स्वामी अछूतानन्द 'हरिहर' और हिन्दी नवजागरण
रत्नकुमार सांभरिया : मुंशी प्रेमचंद और दलित समाज
रजतरानी मीनू : हिन्दी दलित कथा साहित्य : अवधारणाएँ और विधाएं
श्यौराज सिंह 'बेचैन' : हिन्दी की दलित पत्रकारिता पर पत्रकार अम्बेडकर का प्रभाव
श्यौराज सिंह 'बेचैन' : उपन्यास साहित्य में दलित समस्या और समाधान
श्यौराज सिंह 'बेचैन' : उत्तर सदी के हिन्दी उपन्यासों में दलित विमर्श
धर्मवीर : दलित चिन्तन का विकास : अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर
धर्मवीर : महान आजीवक : कबीर, रैदास और गोसाल
धर्मवीर : हिन्दी की आत्मा
ओमप्रकाश वाल्मीकि : दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

पत्रिकाएँ :

हंस (दलित साहित्य विशेषांक : सत्ता विमर्श और दलित, विशेषांक, अंक–58), बहुरि नहिं आवना, कथाक्रम (दलित विशेषांक)

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 578**

इकाई : 1

अदिवासी समाज और साहित्य की अवधारणा : एक परिचय

- अदिवासी समाज, संस्कृति एवं साहित्य : सामान्य परिचय
- आदिवासी भाषाओं का सामान्य परिचय
- भारतीय संविधान में आदिवासी एवं यू0एन0ओ0 रिपोर्ट के अनुसार आदिवासी
- आदिवासी साहित्य की अवधारणा : भारतीय एवं विदेशी विद्वानो के अनुसार
- आदिवासी साहित्य के अध्ययन की प्रविधी एवं समस्याएं

इकाई : 2

आदिवासी साहित्य को निर्मित करने वाले तत्व

- पुरखा साहित्य
- आदिवासी लोक और साहित्य
- आदिवासी दर्शन और साहित्य
- आदिवासी इतिहास, आंदोलन और साहित्य
- हिन्दी साहित्य में आदिवासी समाज और संस्कृति की अभिव्यक्ति

इकाई : 3

आदिवासी साहित्य का विस्तार

- उत्तर भारत में उपलब्ध आदिवासी साहित्य
- पूर्वोत्तर में उपलब्ध आदिवासी साहित्य
- मध्य भारत में उपलब्ध आदिवासी साहित्य
- दक्षिण भारत में उपलब्ध आदिवासी साहित्य

इकाई : 4

आदिवासी साहित्य : व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ

- **कविताएं–** वीणा (सुशीला सामद), पहाड़ के बच्चे (तेलसुला आओ), कथन शालवन के अंतिम शाल का (रामदयाल मुंडा) स्टेज (वाहरु सोनवने), एक और जनी का शिकार (ग्रेस कुजूर) उतनी दूर मत ब्याहना बाबा (निर्मला पुतुल), आघोषित उलगुलान (अनुज लुगुन), जब आदिवासी गाता है (जमुना बिन्नी), पाषाण पटिया (सावित्री बड़ाइक), नदी, पहाड़ और बाजार (जसिंता केरकेट्टा), आप क्यों हंसते हैं (महादेव टोप्पो), कविताओं वाली नदी (वंदना टेटे), नहीं तो घास भर जाएगा (सुषमा असुर), पहाड़ी स्त्री का दुःख (स्नेहलता नेगी), वे कौन है (विश्वासी एक्का)

- **कहानियाँ–** बेरथा का ब्याह (प्यारे केरकेट्टा), आईना (येशे दोरजे थोंगची), धरती लहराएगी (एलिस एक्का), साक्षी है पीपल (जोराम नाबाम यालम), बंदू क्या (लक्ष्मण गायकवाड़), ठंडी गदूली (चरणसिंह पथिक)
- **उपन्यास–** धूणी तपे तीर (हरिराम मीना), छैला संदु (मंगल सिंह मुंडा)
- **आत्मकथा–** जंगल से आगे (मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा)

इकाई : 5

नाटक सिनेमा और पत्रकारिता

- **नाटक–** कालीबाई (प्रभात)
- **सिनेमा** –घुमकुड़िया एवं अन्य
- **डा**यरी – एक गोंड गांव में जीवन (वेरियर एलविन)
- **पत्रकारिता –** अखड़ा, आदिवासी सत्ता, अरावली उद्घोष, गोंडवाना दर्शन, युद्धरत आम आदमी आदि।

संदर्भ पुस्तकें :

वंदना टेटे	:	आदिवासी साहित्य, परम्परा और प्रयोजन
वंदना टेट	:	आदिवासी दर्शन और साहित्य
वंदना टेट	:	वाचिकता : आदिवासी दर्शन, साहित्य और सौंदर्यबोध
टी0सी0 डामोर एवं धनपत सिंह	:	आदिवासी भारत– जैसा देखा,
गंगा सहाय मीणा	:	आदिवासी साहित्य विमर्श
गंगा सहाय मीणा	:	आदिवासी चिंतन की भूमिका
हरिराम मीणा	:	आदिवासी दर्शन
रामदयाल मुंडा एवं रतनसिंह मानकी	:	आदि धरम
जयपालसिंह मुंडा	:	लो बिर सेंदरा
रमणिका गुप्ता	:	आदिवासी कौन ?
वीरभारत तलवार	:	झारखंड के आदिवासियों के बीच
अश्विनी कुमार पंकज	:	संविधान की पांचवी और छठवी अनुसूची–संकलन
मोती रावण कंगाली	:	गोंडी दर्शन
नदीम हसनैन	:	जनजातीय भारत

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
18वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
हिन्दी आलोचना

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 579**

इकाई : 1

- हिन्दी आलोचना आरंभिक परिदृश्य
- द्विवेदी युग – महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र–बन्धु, कृष्णबिहारी मिश्र, पद्मसिंह शर्मा, लाला भगवानदीन

इकाई : 2

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
- शुक्लानुवर्ती और शुक्लोत्तर आलोचक : एक सामान्य परिचय
- शुक्लानुवर्ती आलोचक – डॉ0 नगेन्द्र, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- शुक्लोत्तर आलोचक – नन्ददुलारे बाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई : 3

- प्रगतिवादी आलोचना : मुख्य स्थापनाएं
- प्रगतिशील लेखक संघ और उसका घोषणा पत्र
- शिवदान सिंह चौहान, राहुल सांकृत्यायन, अमृत राय
- रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, मुक्तिबोध, मैनेजर पाण्डेय

इकाई : 4

- नयी कविता आन्दोलन, नयी कहानी आन्दोलन : सामान्य परिचय
- अज्ञेय, रामस्वरूप चतुर्वेदी, विजयदेवनारायण साही, लक्ष्मीकान्त वर्मा, मलयज, देवी शंकर अवस्थी

इकाई : 5

- समकालीन हिंदी आलोचना
- स्वातंन्त्रयोत्तर हिंदी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- पाठ की रणनीतियाँ और पुनर्पाठ
- उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना
- दलित, स्त्री एवं आदिवासी विमर्श और हिन्दी आलोचना

संदर्भ पुस्तकें

भगवत्स्वरूप मिश्र : हिंदी आलोचना : उद्‌भव एवं विकास
रामदरश मिश्र : हिंदी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ
विश्वनाथ त्रिपाठी : हिंदी आलोचना
नंदकिशोर नवल : आधुनिक हिंदी आलोचना का विकास
रामविलास शर्मा : आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना
निर्मला जैन : हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी
हुकुमचन्द राजपाल : समकालीन हिंदी समीक्षा
रमेश कुमार : नवजागरण और हिंदी आलोचना
पुष्पिता अवस्थी : आधुनिक हिंदी काव्यआलोचना के 100 वर्ष
मैनेजर पाण्डेय : आलोचना की सामाजिकता
सं0 कमलाप्रसाद, सुधीर रंजन सिंह,
राजेंद्र शर्मा : नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परंपरा
शिवकुमार मिश्र : हिंदी आलोचना की पंरपरा और रामचंद्र शुक्ल
वीरेंद्र सिंह : आधुनिक साहित्य
निर्मला जैन : आधुनिक साहित्य
नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना
देवीशंकर अवस्थी : आलोचना का द्वन्द
बच्चन सिंह : आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द
शिवकुमार मिश्र : यथार्थवाद
रामविलास शर्मा : परम्परा का मूल्यांकन
कृष्णदत्त पालीवाल : हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार
राजेन्द्र कुमार, सं0 : आलोचना का विवेक
राजेन्द्र कुमार : आलोचना आस पास
अमरनाथ : हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली
अमरनाथ : हिन्दी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
18वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
साहित्य का समाजशास्त्र

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 580**

इकाई : 1

साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका

- साहित्य और समाज का अन्तर्सम्बंध
- साहित्य के समाजशास्त्रीय अध्ययन की जरूरत : एक स्वतंत्र साहित्य विधा का विकास
- साहित्य के सामाजशास्त्र के इतिहास : समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की परम्पराएं – पाश्चात्य एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य

इकाई : 2

साहित्य के प्रमुख समाजशास्त्री और उनकी अवधारणाएँ

- पाश्चात्य समाजशास्त्री : अडोल्फ तेन, लियो लावेंथल, लूसिए गोल्डमान, रेमण्ड विलियम्स
- भारतीय समाजशास्त्री : डी0डी0 कोसम्बी, पी0सी0 जोशी, श्यामाचरण दुबे, बी0 आर0 अम्बेडकर

इकाई : 3

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ और पद्धतियाँ :

- साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ : साहित्य में समाज की खोज, समाज में साहित्य और साहित्यकार की स्थिति, साहित्य और पाठक समुदाय, लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य और जनसंचार माध्यम
- साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख पद्धतियाँ : विधेयवाद, अनुभववाद, संरचनावाद, मार्क्सवाद और अस्मितावाद

इकाई : 4

विधाओं का समाजशास्त्र : साहित्यिक विधाओं की उत्पत्ति और विकास का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

- **उपन्यास का समाजशास्त्र :** भारत में उपन्यास का उदय और विकास; भारतीय उपन्यास की भारतीयता, उपन्यास और लोकतंत्र

- **हिन्दी के प्रमुख उपन्यासों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण :** गोरा (टैगोर), गोदान (प्रेमचंद), रह गई दिशाएँ इसी पार (संजीव)
- **कविता के समाजशास्त्रीय अध्ययन की चुनौतियाँ :** हिन्दी कविता का समाजशास्त्रीय विश्लेषण : प्राचीन काव्य, भक्तिकाव्य, रीति कविता, आधुनिक कविता, समकालीन कविता

इकाई : 5

समकालीन अस्मितामूलक साहित्य का समाजशास्त्र

- **दलित साहित्य का समाजशास्त्र –** दलित आत्मकथा, दलित कविता एवं दलित उपन्यास
- **स्त्री लेखन का समाजशास्त्र –** स्त्री आत्मकथा, स्त्री कविता एवं स्त्री केन्द्रित उपन्यास

संदर्भ पुस्तकें

डॉ0 नगेन्द्र : साहित्य का समाजशास्त्र

मैनेजर पाण्डेय : साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका

मैनेजर पाण्डेय : साहित्य और समाजशास्त्रीय दृष्टि (आधार प्रकाशन)

निर्मला जैन (सं) : साहित्य का समाजशास्त्रीय चिन्तन

बच्चन सिंह : साहित्य का समाजशास्त्र (लोकभारती प्रकाशन)

विद्यानिवास मिश्र : साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

धर्मवीर : दलित चिंतन का विकास : अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर

सुधा सिंह : ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ

पत्रिकाएँ :

आलोचना नवांक 20, 1972

आलोचना, नवांक 25, 1973

पक्षधर, अंक–27 (राष्ट्रवाद और गोरा)

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
18वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
विचारधारा और साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 581**

इकाई : 1

- विचारधारा क्या है?
- समाज, साहित्य और विचार का अन्तःसंबंध

इकाई : 2

- विचारधारा और कला,
- विचारधारा और साहित्य के द्वन्दात्मक संबंध,
- साहित्य की इतिहास दृष्टि और विचारधारा – यथार्थवाद, आदर्शवाद, प्रकृतवाद और विचारधारा

इकाई : 3

- आधुनिक विचारधाराएं और हिंदी साहित्य

  (क) मानवतावाद (ख) सुखवाद और उपयोगिता (ग) राष्ट्रवाद (घ) मार्क्सवाद (ड़) गाँधीवाद (च) समाजवाद (छ) अस्तित्ववाद (ज) नारीवाद (झ) अंबेडकरवाद

इकाई : 4

- धार्मिक दार्शनिक विचारधाराएं और उनका मध्यकालीन और आधुनिक हिंदी साहित्य पर प्रभाव

  (क) वेदान्त तथा अन्य दार्शनिक विचार (ख) इस्लाम

  (ग) सूफीवाद (घ) बौद्ध एवं जैन दर्शन

  (ड़) रहस्यवाद

इकाई : 5

(क) कलावाद (ख) रूपवाद

(ग) अनुभववाद (घ) नयी समीक्षा

(ड़) संरचनावाद और उत्तर–संरचनावाद (च) उत्तर–आधुनिकतावाद

संदर्भ पुस्तकें

गोरख पाण्डे (सं0) : कला और साहित्य का चिन्तन

रामविलास शर्मा : आस्था और सौन्दर्य (नवीन संस्करण)

रामविलास शर्मा : मार्क्स और पिछड़े हुए समाज

मैनेजर पाण्डेय : शब्द और कर्म

मैनेजर पाण्डेय : आलोचना की सामाजिकता

अमृत राय : विचारधारा और साहित्य

ओम प्रकाश ग्रेवाल : साहित्य और विचारधारा

रूपा गुप्ता : साहित्य और विचारधारा

डॉ. कन्हैया सिंह : सूफी साहित्य का सांस्कृतिक अनुशीलन

Paarekh, Bhikhu : Mark's Theory of Ideology

Althusser, Louis : Lenin and Philosophy and other Essays

Fischer, Earnest : Art Against ideology

Khrapchenko, M : The Writer's creative individuality and development of Literature

Macherey, Pierre : A theory of Literature

Walliams, Raymond : Marxism and Litarature

Do : On Ideology, Centre for Contemporary Cultural Studies

Eagleton, Terry : Criticism and Ideology, London

Do : The Ideology of the Aeshetic

Lichtheim George : The Concept of Ideology and other essays

पत्रिकाएं

आलोचना, नवांक 18 अप्रैल–जून 1970

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
19वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
हिन्दी और उर्दू साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 582**

इकाई : 1

हिंदी और उर्दू का भाषिक एवं साहित्यिक विकास

- हिंदी और 'उर्दू' शब्द की उत्पत्ति और भाषा के रूप में विकास की प्रक्रिया
- अमीर खुसरो की हिंदवी रचनाएँ एवं खालिकबारी का महत्व
- 'हिन्दी' और 'उर्दू' के संदर्भ में दकनी भाषा एवं साहित्य का महत्व
- दकनी के महत्वपूर्ण रचनाकार : मुल्ला वजही, कुली कुतुबशाह, वली दकनी

इकाई : 2

हिंदी की रीतिकालीन कविता और उर्दू काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

- दरबारी काव्य, सौंदर्य चित्रण, नख–शिख वर्णन
- बिहारी और मीर की कविता का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई : 3

हिंदी और उर्दू का आधुनिक साहित्य

- फोर्ट विलियम कॉलेज
- 1857 की क्रांति और नवजागरण
- भारतेंदु और हालीयुगीन काव्य का तुलनात्मक अध्ययन
- हिंदी और उर्दू में गद्य लेखन की परंपरा
- हिंदी और उर्दू की प्रगतिशील काव्य परंपरा का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई : 4

हिन्दी और उर्दू के महत्वपूर्ण रचनाकार और उनकी रचनाओं का तुलनात्मक अध्ययन

- हिंदी कहानी – उसने कहा था : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, कफ़न : प्रेमचंद, मलबे का मालिक : मोहन राकेश
- उर्दू कहानी – पूरे चाँद की रात : कृष्ण चंदर, टोबा टेक सिंह : सआदत हसन मंटो, अँधेरा : इस्मत चुगताई
- हिन्दी उपन्यास – कितने पाकिस्तान : कमलेश्वर
- उर्दू उपन्यास – बस्ती : इंतजार हुसैन
- कविता

  हिंदी कविता – भारतेंदु, निराला, त्रिलोचन, शमशेर बहादुर सिंह, दुष्यंत कुमार

  उर्दू कविता – नजीर अकबराबादी, गालिब, फिराक गोरखपुरी, फैज अहमद फैज, अदा जाफरी

इकाई :5

हिंदी और उर्दू साहित्य में अस्मितामूलक विमर्श एवं आलोचनात्मक साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

- दलित विमर्श/पसमांदा विमर्श : कहानी एवं कविता
- स्त्री विमर्श : कहानी एवं कविता
- कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह एवं 'उर्दू समालोचना पर एक दृष्टि : कलीमुद्दीन अहमद

संदर्भ पुस्तकें

रामबाबू सक्सेना : उर्दू साहित्य का इतिहास

रामबाबू सक्सेना : दक्खिनी हिंदी

राहुल सांकृत्यायन : दक्खिनी हिंदी काव्यधारा

पद्मसिंह शर्मा : हिंदी उर्दू और हिन्दुस्तानी

एहतेशाम हुसैन : उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

गोपीचंद नारंग : बीसवीं शताब्दी में उर्दू साहित्य

गोपीचंद नारंग : उर्दू पर खुलता दरीचा

गोपीचंद नारंग : अमीर खुसरो का हिंदवी काव्य

गोपीचंद नारंग : उर्दू गजल एवं भारतीय मानस व संस्कृति

नगमा जावेद मलिक : हिंदी और उर्दू कविता में नारीवाद
मोहम्मद हुसैन आजाद : आबे–हयात
मोहन अवस्थी : हिंदी रीति कविता और समकालीन उर्दू काव्य
नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
रघुपति सहाय फिराक : उर्दू भाषा और साहित्य
राजेंद्र यादव : कथा जगत की बागी मुस्लिम औरतें
राजेंद्र यादव सं. : एक दुनिया : सामानांतर
प्रकाश पंडित (संकलन एवं अनुवाद) : उर्दू की श्रेष्ठ कहानियां
रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
रुखसाना शेख : आधुनिक हिंदी–उर्दू काव्य का तुलनात्मक अध्ययन
लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय : फोर्ट विलियम कॉलेज
वजीर आगा : उर्दू शायरी का मिज़ाज़
शम्सुर्रहमान फारुकी : उर्दू का आरंभिक युग
शीतांशु : कंपनी राज और हिंदी
शम्सुर्रहमन फारूकी : मीर की कविता और भारतीय सौंदर्यबोध
अली सरदार जाफरी : दीवान –ए–मीर
मीर : रामनाथ सुमन
गालिब : रामनाथ सुमन
प्रमोद रंजन, आयवन कोस्का (संपादक) : बहुजन साहित्य की प्रस्तावना
ओमप्रकाश वाल्मीकि : दलित साहित्य : अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ
अनामिका : स्वाधीनता का स्त्री पक्ष

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर

19 वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 583

हिन्दी और बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई : 1

- बांग्ला भाषा का परिचय, हिन्दी और बांग्ला की भाषिक और सांस्कृतिक समानताएं एवं भिन्नताएं
- हिन्दी और बांग्ला साहित्य का अन्तःसंबंध
- हिन्दी और बांग्ला का प्राचीन साहित्य : बौद्ध तथा नाथ साहित्य

इकाई : 2

- भक्ति आन्दोलन की हिन्दी और बांग्ला में अभिव्यक्ति, मध्ययुगीन बांग्ला साहित्य की मुख्य धाराएँ: चर्यागीत, मंगल काव्य, पांचाली साहित्य, विद्यापति और चंडीदास, बाउल कवि
- हिन्दी-बांग्ला कृष्ण भक्ति परम्परा, बांग्ला के कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय(राधावल्लभ सम्प्रदाय, बल्लभ सम्प्रदाय, सखी सम्प्रदाय, चैतन्य सम्प्रदाय, सहजिया सम्प्रदाय)
- हिन्दी-बांग्ला रामभक्ति परम्परा : रामभक्ति के विकास में कृतिवासी रामायण और तुलसी का मानस
- हिन्दी और बांग्ला के प्रेमाख्यानक काव्य : जायसी का पद्मावत और आलवाल की पद्मावती

इकाई : 3

- हिन्दी और बांग्ला का 19वीं सदी का नवजागरणकालीन साहित्य : 1) राममोहन रॉय 2) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर 3) बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय 4) डेरोजियो 5) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र 6) अछूतानंद 'हरिहर'
- हिन्दी और बांग्ला साहित्य क्षेत्र की साहित्यिक पत्रकारिता
- हिन्दी और बांग्ला जाति का अंतर्संबंध

इकाई :4

- आधुनिक बांग्ला काव्य: रवीन्द्रनाथ टैगोर और हिन्दी के छायावादी कवि, टैगोर पर कबीर का प्रभाव
- बांग्ला गद्य साहित्य: शरतचन्द्र और प्रेमचन्द की औपन्यासिक कला
- हिन्दी और बांग्ला का नाट्य-आन्दोलन: जात्रा साहित्य, गीति नाट्य, भारतेन्दु और माइकेल का नाट्य साहित्य, मोहन राकेश और बादल सरकार की नाट्य-दृष्टि
- हिन्दी और बांग्ला का दलित साहित्य : मनोरंजन ब्यापारी और तुलसी राम

इकाई :5 गद्य की प्रमुख विधाएं

- कविता : निराला: कुकुरमुत्ता, काज़ी नजरुल: विद्रोही
- कहानी : यशपाल: दुःख का अधिकार, मनिक बंद्योपाध्याय: छिनकर क्यों नहीं खाया
- उपन्यास : प्रेमचन्द: सेवासदन, शरतचन्द्र: चरित्रहीन
- निबन्ध : हजारीप्रसाद द्विवेदी : मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है, रवीन्द्रनाथ ठाकुर: साहित्य विचार

सन्दर्भ पुस्तकें

1. सुकुमार सेन- बांग्ला साहित्य का इतिहास
2. सुकुमार सेन- बांगला-साहित्य की कथा
3. डॉ. सत्यदेव- बंगला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
4. हंसकुमार तिवारी- बंगला और उसका साहित्य
5. कल्याणीदास- बंगला साहित्य का इतिहास
6. सुशोभन सर्कार- बंगला नवजागरण
7. तनुजा मजुमदार- डिरोजियो, नजरुल निराला
8. क्षितिमोहन सेन- बंगाल के बाउल
9. आशुतोष भट्टाचार्य- बंगाल लोक संस्कृति और साहित्य
10. डॉ. रामेश्वर मिश्र- मध्ययुगीन हिन्दी संत साहित्य और रवीन्द्रनाथ
11. डॉ. रामविलास शर्मा- भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश
12. कृपाशंकर चौबे- दलित आन्दोलन और बंगला साहित्य
13. बजरंग बिहारी तिवारी- बांग्ला दलित साहित्य
14. तनुजा मजुमदार- भारतीय साहित्य: कुछ परिदृश्य
15. सोम बंद्योपाध्याय- पूर्व की अपूर्व दस्तकें
16. मोहित कुमार हालदार- भारतीय नवजागरण और पुनरुत्थानवादी चेतना

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

19वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

हिन्दी और तेलुगु साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 584**

इकाई : 1

तुलनात्मक अध्ययन की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

इकाई : 2

हिंदी और तेलुगु भाषा की तुलना, वर्णमाला, मात्राएं, शब्द साम्य

इकाई : 3

हिंदी और तेलुगु साहित्य का आदिकाल, विशेषताएं

इकाई : 4

- हिंदी और तेलुगु साहित्य का भक्तिकाल, कबीर और वेमना, सूरदास और पोतना, मीरा और मोल्ला आदि
- प्रबंध काव्य, रायलु युग आदि

इकाई : 5

- हिंदी और तेलुगु साहित्य का नवजागरण काल एवं आधुनिक काल
- नवजागरण काल के प्रमुख कवि
- छायावाद और भाव कविता, प्रगतिवाद और अभ्युदय कविता,
- आधुनिक विमर्श : स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श और प्रमुख रचनाकार

संदर्भ पुस्तकें

गुरजाड कन्याशुल्कम : भीमसेन निर्मल, हिन्दी प्रचार नामपल्ली, हैदराबाद

मिट्टी मनुष्य और आकाश : प्रो0 आदेश्वर राव, मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद

बीसवी सदी का तेलुगु साहित्य : डॉ0 आई0एन0 चन्द्रशेखर रेड्डी, एस0 वी0 वि0वि0 तिरुपति

तेलुगु साहित्य : एक अवलोकन : जी0 नीरजा, आंन्ध्र प्रदेश अकादमी हैदराबाद

तुलनात्मक साहित्य : इन्द्रनाथ चौधरी (सं0) द0भ0हि0प्र0स0 टी नगर, चेन्नई

तेलुगु साहित्य का इतिहास : बाल शैरी रेड्डी, हिन्दी समिति, उ0प्र0 शासन रा0प्र0 टण्डन हिन्दी भवन महात्मा गाँधी मार्ग, लखनऊ

हिन्दी में दक्षिण भारतीय साहित्य : (सं0) डॉ0 विजय राधव रेड्डी, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली

सहस्र वर्षों का तेलुगु साहित्य : (सं0) प्रो0 वाई0लक्ष्मी प्रसाद,आ0हि0 अकादमी, हैदराबाद

दक्षिण भारत का संत परम्परा : डॉ0 राधाकृष्ण मूर्ति, कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति

हिन्दी और तेलुगु में महाकाव्य का स्वरूप–विकास : तुलनात्मक अध्ययन राजेश्वरनंदा शर्मा, तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश, श्री वेंकटेश्वर वि0वि0 1986

तेलुगु साहित्य : एक अंतर्यात्रा : गुर्रमकोण्डा नीरजा, श्री साहिती प्रकाशन, हैदराबाद

तेलुगु साहित्य का हिन्दी पाठ : ऋषभ देव शर्मा

तेलुगु साहित्य का हिन्दी अनुवाद : परम्परा और प्रदेश : ऋषभ देव शर्मा गुर्रमकोण्डा, नीरजा, परिलेख प्रकाशन

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

19वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

हिन्दी एवं मराठी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 585**

इकाई : 1

हिन्दी एवं मराठी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

- हिंदी और मराठी भाषा का उद्गम और विकास
- साहित्य का परस्पर प्रभाव
- लिपि साम्य का इतिहास
- हिंदी और मराठी का भक्तिकालीन साहित्य (नामदेव, तुकाराम, कबीर, रैदास)
- हिंदी और मराठी के महिला संत रचनाकार (जनाबाई, बहिणाबाई, मीराबाई, सहजोबाई)

इकाई : 2

आधुनिक हिन्दी एवं मराठी के कवियों का तुलनात्मक अध्ययन

- विंदा करंदीकर एवं अज्ञेय
- कुसुमाग्रज एवं शमशेर बहादुर सिंह
- नामदेव ढसाल एवं गजानन माधव मुक्तिबोध
- दिलिप चित्रे एवं विष्णु खरे
- भुजंग मेश्राम एवं निर्मला पुतुल
- प्रफुल्ल शिलेदार एवं कुमार अंबुज
- अनुराधा पाटील एवं अनामिका

इकाई : 3

हिन्दी एवं मराठी कथात्मक गद्य साहित्य

उपन्यास : कोसला (भालचन्द्र नेमाड़े) एवं रागदरबारी (श्रीलाल शुक्ल)

आत्मकथा : अछूत (दया पवार) एवं मुर्दहिया (तुलसीराम)

कहानी : आत्माराम (प्रेमचन्द), रद्दोबदल (मनोज रुपड़ा), शांति (विष्णु सखाराम खाँडेकर) फिनिक्स की राख से उठा मोर (जयंत पवार)

इकाई : 4

हिन्दी एवं मराठी निबंध एवं वैचारिक साहित्य

- भारतेन्दु एवं महात्मा ज्योतिबा फुले
- महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं गोपाल गणेश आगरकर
- रामचंद्र शुक्ल एवं गणेश त्र्यंबक देशपाण्डे
- महादेवी वर्मा एवं ताराबाई शिन्दे
- हरिशंकर परसाई एवं पु0 ल0 देशपाण्डे

इकाई : 5

हिन्दी एवं मराठी नाटक

- पार्टी (महेश एलकुंचवार) एवं एक और द्रोणाचार्य (शंकर शेष)

संदर्भ पुस्तकें

A History of Marathi Literature – Kusumavati Deshpande, M.V. Rajadhyaksha

मराठी साहित्य : हिन्दी संदर्भ – चन्द्रकांत पाटील, साहित्य भंडार, इलाहाबाद

समकालीन मराठी साहित्य : गति–प्रगति : संपादन चंद्रकांत पाटील, साहित्य भंडार, इलाहाबाद

साहित्य का पुनर्वास – निशिकांत ठकार, साहित्य भंडार, इलाहाबाद

साठोत्तर मराठी कविता – चन्द्रकांत पाटील, साहित्य भंडार, इलाहाबाद

प्रतिनिधि संकलन : मराठी कविता (रूपांतर एवं संकलनकर्ता – दिनकर सोनवलकर) भारतीय ज्ञानपीठ

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
20 वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

अनुवाद : सिद्धांत और प्रक्रिया

क्रेडिट :04
कोड: HIN586

इकाई : 01 अनुवाद सिद्धांत और इतिहास

- अनुवाद: अवधारणा और स्वरूप
- अनुवाद की परंपरा
- अनुवाद के सिद्धांत: अर्थ संप्रेषण का सिद्धांत, व्याख्या का सिद्धांत, प्रभाव समता का सिद्धांत, सांस्कृतिक संदर्भों के एकीकरण का सिद्धांत, पुनर्कोडीकरण का सिद्धांत, समतुल्यता का सिद्धांत
- अनुवाद के प्रकार : लिप्यंतरण, प्रतीकांतर, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पाठधर्मी एवं प्रभावधर्मी अनुवाद, आशु अनुवाद

इकाई : 02 साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद

- साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद का स्वरूप
- साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद, गद्यानुवाद और नाट्य अनुवाद
- साहित्येत्तर अनुवाद: प्रशासनिक अनुवाद, समाचार-पत्र और पत्रिका सामग्री का अनुवाद, वैज्ञानिक पाठ और संकल्पनाओं का अनुवाद और ऐतिहासिक, आर्थिक सांस्कृतिक शब्दावली और पाठ का अनुवाद और अन्य साहित्येत्तर अनुवाद

इकाई : 03 मशीनी अनुवाद

- **अनुवाद में तकनीक की भूमिका**
- मशीनी अनुवाद का इतिहास
- मशीनी अनुवाद की प्रक्रिया : प्रत्यक्ष मशीनी अनुवाद पद्धति, अंतरण मशीनी अनुवाद पद्धति, अंतरभाषिक मशीनी अनुवाद पद्धति
- मशीनी अनुवाद की समस्याएँ और सीमाएँ

इकाई : 04 अनुवाद का व्याहिरक पक्ष

- कोश का प्रयोग
- अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद (एक अनुच्छेद लगभग 500 शब्द के पाठ का अनुवाद)
- वाक्यांश एवं शब्दावली का अनुवाद ((10 वाक्यांश अथवा 15 शब्द)

इकाई : 05 पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद

- पारिभाषिक शब्द का तात्पर्य
- पारिभाषिक शब्दावली निर्माण और प्रक्रिया
- वैज्ञानिक एवं तकनीनी शब्दावली आयोग

संदर्भ पुस्तकें

- जी.गोपीनाथन, अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग
- गोस्वामी कृष्ण कुमार, अनुवाद विज्ञान की भूमिका
- कुमार सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा
- तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान
- तिवारी भोलानाथ, अनुवाद की व्यवहारिक समस्या
- Slocum, J., 1988, Machine Translation Systems, Cambridge University Press

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
20वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
सृजनात्मक लेखन

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 587**

इकाई : 1

सृजनात्मक लेखन : सामान्य परिचय

- सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरूप और महत्त्व
- सृजनात्मक लेखन के प्रमुख रूप : कविता, कथा, कथेतर, नाटक और अन्य
- सृजनात्मक लेखन की प्रेरणा, तैयारी और चुनौतियां

इकाई : 2

सृजनात्मक लेखन के तत्व

- भाव एवं विचार के रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- रचना प्रक्रिया : लेखन की अनिवार्यता की अनुभूति, परिस्थितियों की अनुकूलता, विषय, शैली और रूप का चयन, शोध और लेखन
- रचना का विश्लेषण : साहित्यिक उपकरण और ध्वन्यात्मक भाषा, शैली के तत्व, भाषा की संरचना, परिप्रेक्ष्य

इकाई : 3

सृजनात्मक लेखन की विविध विधाएं

- कथा : कहानी, उपन्यासिका और उपन्यास
- कथेतर : निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, व्यंग्य, जीवनी, डायरी, यात्रा–वृतान्त, आदि
- कविता : छंद, लय, तुक, मुक्तछंद, अलंकार, प्रतीक, मुहावरे आदि
- नाटक : मौलिक और रूपान्तरण
- बाल साहित्य

इकाई : 4

सृजनात्मक लेखन के नये रूप

- पटकथा लेखन (सिनेमा, रेडियो, टेलीविजन वेब आदि)
- वेब लेखन, ब्लॉगिंग और कॉपी लेखन
- समीक्षा लेखन : पुस्तक, सिनेमा और नाटक समीक्षा
- सोशल मीडिया के लिए लेखन
- विज्ञापन

इकाई : 5

सृजनात्मक लेखन और प्रकाशन

- प्रकाशन के विविध रूप : पत्र, पत्रिकाएं, अखबार और वेबसाईट
- विचार से किताब तक की यात्रा
- लेखक प्रकाशक संबंध
- संपादन और प्रूफ रीडिंग
- लेखन और प्रकाशन के विविध उपकरण

संदर्भ पुस्तकें

- रचनात्मक लेखन, (सं. रमेश गौतम, माधुरी सुबोध आदि), भारतीय ज्ञानपीठ, 2007
- लेखक कैसे बने, रस्किन बॉण्ड (अनुवाद–रीनु तलवाड़), अनबाउण्ड स्क्रिप्ट, 2021
- आइडिया से परदे तक, रामकुमार और सत्यांशु सिंह, राजकमल प्रकाशन, 2021
- पटकथा लेखन, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, 2000
- मेरा दागिस्तान, रसूल हमजातोव, वाणी प्रकाशन, 2020
- एक साहित्यिक की डायरी, गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, 1964
- कला की जरूरत, अर्न्सट फिशर (अनु. रमेश उपाध्याय), राजकमल प्रकाशन
- The Cambridge introduction to Creative Writing, David Morley, Cambridge University Press, 2007
- On Writing : A Memoir of the craft, Stephen King, Scribner, 1947
- साहित्य सहचर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, 2005